वर्ष : 34 | अंक : 233 | मुंबई, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- बचाव अभियान के दौरान झड़प में पुलिस की गोली से मारा गया आरोपी रोहित आर्या
- पुलिस ने सभी बंधकों को सुरक्षित छुड़ाया, एक्टिंग स्टूडियो में करीब एक घंटे तक बनाए रखा बंधक
- ऑडिशन के लिए बुलाए गए 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बनाया लिया था बंधक

सरकारी टेंडर का पैसा नहीं मिलने से नाराज था आरोपी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोहित आर्या मूल रूप से पुणे का रहने वाला था। उसे महाराष्ट्र के पूर्व शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के कार्यकाल के दौरान शिक्षा विभाग के एक स्कूल का टेंडर मिला था। रोहित का कहना था कि उसे इस प्रोजेक्ट का भुगतान अब तक नहीं मिला था। जिसके चलते वह आर्थिक संकट और मानसिक तनाव से गुजर रहा था।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

बच्चों को बंधक बनाने वाला पुलिस मुठभेड़ में ढेर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के पवई स्थित एक एक्टिंग स्टूडियो में गुरुवार को 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने का आरोपी बचाव ऑपरेशन के दौरान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। आरोपी ने करीब एक घंटे तक पीड़ितों को स्टूडियो में बंद रखा। इस दौरान पीड़ित और उनके परिजनों में दहशत का माहौल बना रहा। आरोपी रोहित आर्या ने बच्चों को एक वेब सीरीज के ऑडिशन के लिए बुलाया था।

जवाबी कार्रवाई में चली गोली

संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) सत्यनारायण ने बताया कि पुलिस को दोपहर करीब 1.45 बजे एक कॉल आई कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग स्थित आर ए स्टूडियो में एक व्यक्ति ने बच्चों को बंधक बना रखा है। मौके पर पहुंच पुलिस ने आरोपी से बातचीत की कोशिश की, लेकिन उससे कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद पुलिस की एक टीम बाथरूम के रास्ते स्टूडियो में घुसी तो आरोपी के हाथ में एक एयर गन और कुछ रसायन थे। पुलिस ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, तो आरोपी ने इनकार कर दिया और बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लग गई। गोली लगने के बाद उसे जोगेश्वरी ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि घटना को लेकर जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

आग लगाने की दी थी धमकी

17 बच्चों, एक वरिष्ठ नागरिक व एक अन्य व्यक्ति को बंधक बनाने के बाद आरोपी रोहित आर्या ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा कि वह कुछ लोगों से बात करना चाहता है। वह उनसे सवाल पूछना चाहता है और उसे पैसे नहीं चाहिए। उसने धमकी दी कि अगर उसे ऐसा करने नहीं दिया गया, तो वह स्टूडियो में आग लगा देगा। उसके पास एक एयर गन और कुछ रसायन भी थे। इसके बाद बंधक बनाए गए बच्चों और उनके अभिभावकों में दहशत फैल गई। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), बम निरोधक दस्ते और दमकल की टीम ने करीब एक घंटे बाद बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पैसे बकाए के आरोप पर मंत्री का बयान

शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने बात करते हुए बताया कि जब मैं शिक्षा मंत्री था तब मैंने खुद रोहित आर्या को चेक से भुगतान किया था। रोहित आर्या 'माय स्कूल ब्यूटीफुल स्कूल' योजना से जुड़ा हुआ था। रोहित ने उनके घर के बाहर भूख हड़ताल भी की थी। केसरकर ने आगे कहा, किसी भी सरकारी भुगतान के लिए सभी प्रक्रियाएं पूरी करनी होती हैं। इसलिए उसका यह आरोप कि 2 करोड़ रुपए नहीं मिले, गलत है। इसके लिए उसे विभाग में जाकर दस्तावेज जमा करने चाहिए।

एनकाउंटर पर शुरू हुई राजनीति

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। कांग्रेस ने इस मामले में राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने बच्चों के किडनैप करने को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि जब हमने इस केस की जांच की तो पता चला कि आरोपी ने कुछ सरकारी बिल के लिए ऐसा किया था। पुलिस ने क्या एक्शन लिया, इस बारे में तो वे ही जवाब देंगे, लेकिन अपने लिए पैसे जुटाने के लिए छोटे बच्चों को किडनैप करना गलत है। पुलिस ने इसी भावना से एक्शन लिया होगा। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने रोहित आर्य के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और मुंबई शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए।

खबर संक्षेप

देश में तीसरी कक्षा से लागू होगा एआई पाठ्यक्रम

नई दिल्ली। देश में तीसरी कक्षा से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप होगा। इसकी शुरुआत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से होगी। एआई और सीटी पाठ्यक्रम के लिए समय आवंटन और संसाधनों का एकीकरण किया जाएगा। इस संबंध में दिसंबर 2025 तक संसाधन सामग्री, हैंडबुक और डिजिटल संसाधनों का विकास होगा। शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। विभाग का कहना है कि भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रणाली के महत्वपूर्ण अंग के रूप में यह पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है।

प्रेम प्रसंग के चलते डॉक्टर पर हमला

मुंबई। मुंबई के परेल स्थित केईएम अस्पताल में 26 वर्षीय डॉक्टर पर प्रेम प्रसंग को लेकर चाकू से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल डॉक्टर का इलाज अस्पताल में जारी है। भोईवाड़ा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी फरीद खान, नबील इमाम शेख और आलीशान हाशमी को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी रागसुधा आर के अनुसार मुख्य आरोपी फरीद खान अपनी डॉक्टर बहन और पीड़ित के रिश्ते से नाराज था, इसी कारण उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक घायल डॉक्टर की पहचान डॉ. विशाल हरिंद्र यादव (26) के रूप में हुई है। वे अगस्त 2025 से केईएम अस्पताल के कार्डियोवस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी विभाग में हाउस ऑफिसर के रूप में कार्यरत हैं। इसी दौरान उनकी मुलाकात उसी विभाग में काम करने वाली 23 वर्षीय महिला परफ्यूजनिस्ट से हुई और दोनों पिछले तीन सप्ताह से रिलेशनशिप में थे।

जस्टिस सूर्यकांत देश के अगले सीजेआई नियुक्त

- 24 नवंबर को शपथ, 14 महीने पद पर रहेंगे
- पेगासस केस की कराई थी जांच

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को देश का 53वां मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया गया है। वे 24 नवंबर को पद की शपथ लेंगे। कानून मंत्रालय ने गुरुवार को इस नियुक्ति की पुष्टि की। जस्टिस सूर्यकांत मौजूदा सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 23 नवंबर को समाप्त हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है। जस्टिस सूर्यकांत का कार्यकाल लगभग 14 महीने का रहेगा और वे 9 फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। सीजेआई गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार को उनके नाम की सिफारिश की थी।

दो दशक की न्यायिक सेवा में दिए कई ऐतिहासिक फैसले

जस्टिस सूर्यकांत ने अपने 20 साल के न्यायिक कार्यकाल में अनेक ऐतिहासिक और संवैधानिक फैसले दिए हैं। वे पेगासस जासूसी मामले की उस बेंच का हिस्सा रहे, जिसने साइबर विशेषज्ञों की समिति गठित कर जांच के आदेश दिए थे।

जस्टिस सूर्यकांत के प्रमुख निर्णय

- जस्टिस सूर्यकांत कई संवैधानिक पीठों के सदस्य रहे हैं और अब तक 1000 से अधिक मामलों में महत्वपूर्ण निर्णय दे चुके हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 निरस्तीकरण को बरकरार रखने वाला 2023 का फैसला भी शामिल है।
- वे पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की उस फुल बेंच का हिस्सा थे, जिसने 2017 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की सजा के बाद हुई हिंसा पर सख्त रुख अपनाते हुए डेरा परिसरों की पूरी सफाई का आदेश दिया था।
- उन्होंने उस बेंच में भी भाग लिया था जिसने औपनिवेशिक काल के राजद्रोह कानून (Sedition Law) पर रोक लगाई और निर्देश दिया कि केंद्र सरकार की समीक्षा पूरी होने तक इसके तहत नई FIR दर्ज न की जाए।
- सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन समेत सभी बार संगठनों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश देने का श्रेय भी उन्हें जाता है।
- वे सात न्यायाधीशों की उस बेंच का हिस्सा थे, जिसने 1967 के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के फैसले को पलटते हुए विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे पर पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त किया।
- पेगासस स्पाइवेयर केस में सुनवाई करते हुए उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर असीमित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं, और इस मामले की जांच के लिए स्वतंत्र साइबर विशेषज्ञों की कमेटी गठित की थी।

फर्जी वैज्ञानिक ने चुराया परमाणु डेटा

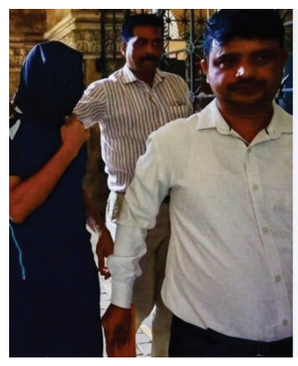

- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में कर चुका है प्रवेश
- परमाणु डेटा, तीन पासपोर्ट और 14 नक्शे बरामद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने वर्सोवा इलाके से 60 वर्षीय अख्तर कुतुबुद्दीन हुसैनी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (BARC) का वैज्ञानिक बताता था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वह फर्जी पहचान के सहारे BARC परिसर में प्रवेश भी कर चुका है। देश के प्रमुख परमाणु शोध संस्थान भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर से गिरफ्तार फर्जी आतंकी के पास से चीजें बरामद की गई हैं, वे चिंता बढ़ाने वाली हैं। मुंबई पुलिस के सूत्रों का कहना है कि फेक वैज्ञानिक बने अख्तर कुतुबुद्दीन हुसैनी के पास संदेहास्पद परमाणु डेटा मिला है। इसके अलावा 14 नक्शे भी पाए गए हैं। ये नक्शे परमाणु केंद्र और आसपास के ही बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि जो दस्तावेज उससे बरामद हुए हैं, उसका कहीं गलत इस्तेमाल तो नहीं हुआ है। इसके अलावा यह जानने की भी कोशिश है कि जो जानकारी उसके पास है, वह कितनी संवेदनशील है।

पिछले सप्ताह हुआ था गिरफ्तार

अख्तर कुतुबुद्दीन अंसारी को वर्सोवा से पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। वह खुद को वैज्ञानिक बताता था और कई नाम रखे हुए थे। उसके पास से कई फर्जी पासपोर्ट, आधार कार्ड और पैन कार्ड मिले हैं। इसके अलावा उसके पास से भाभा रिसर्च सेंटर के कई फर्जी आईडी भी मिले हैं। माना जा रहा है कि इन फर्जी दस्तावेजों के सहारे ही वह एंट्री करता रहा होगा। एक आईडी में उसने अपना नाम अली राजा हुसैन रखा हुआ है। इसके अलावा एक अन्य आईडी में उसका नाम एलेक्जेंडर पाल्मर है। फिलहाल उसके कॉल रिकॉर्ड्स की जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि उसने बीते कुछ महीनों में कई फर्जी कार्ड बनवाए थे।

आरएसएस ड्रेस पहनने वाले सरकारी कर्मचारी के सस्पेंशन पर रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक के लिंगासुगुर में आरएसएस ड्रेस पहनकर संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने पर सस्पेंड किए गए सरकारी कर्मचारी प्रवीण कुमार केपी को अंतरिम राहत मिली है। कर्नाटक स्टेट एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने उनके सस्पेंशन पर रोक लगा दी है। प्रवीण कुमार पंचायत विकास अधिकारी होने के साथ-साथ बीजेपी विधायक मनप्पा डी वज्जल के पर्सनल असिस्टेंट भी हैं। उन्होंने 12 अक्टूबर को आरएसएस की वर्दी पहनकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जिसके बाद राज्य सरकार ने उन पर कार्रवाई की थी। ट्रिब्यूनल ने अंतरिम आदेश देते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी।

आरएसएस शाखा प्रतिबंध पर भी हाईकोर्ट का स्टे

कर्नाटक सरकार लंबे समय से राज्य में सरकारी जगहों पर आरएसएस शाखा पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर रही है। हाल ही में सरकार ने अनुमति के बिना सरकारी स्थानों पर आरएसएस गतिविधियों और 10 से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाई थी। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ बेंच ने 28 अक्टूबर को इस आदेश पर रोक लगा दी थी। अब ट्रिब्यूनल ने भी सरकारी कर्मचारी के सस्पेंशन पर स्टे लगाते हुए सरकार के खिलाफ दूसरी बड़ी कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

एकता दिवस के लिए गुजरात पहुंचे पीएम मोदी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर के 1,220 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन-शिलान्यास

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंच गए हैं। वे शाम करीब 5 बजे वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे और यहां से सड़क मार्ग से केवडिया पहुंचें। पीएम ने यहां ई बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद शाम 7:30बजे एकता नगर में 1,220 करोड़ रुपए की कई परियोजनाओं का उद्घाटन-और शिलान्यास किया। पीएम अगले दिन यानी कि 31 अक्टूबर की सुबह 8 बजे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उसके बाद स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में होने वाली परेड और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। एप्रोच मार्ग, कौशल्या पथ, लिमडी टेंट सिटी पहुंच मार्ग, गार्डन, टाटा नर्मदा घाट का विस्तार, बांध प्रतिकृति शामिल हैं।

पेज ८ पर देखें

महिला डॉक्टर आत्महत्या मामला

कांग्रेस ने की एसआईटी गठित कर जांच की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सतारा जिले के फलटण उपजिला अस्पताल में महिला डॉक्टर की आत्महत्या का मामला महाराष्ट्र की सीमाओं से निकलकर दिल्ली तक पहुंच गया है। कांग्रेस ने इसे आत्महत्या नहीं बल्कि संस्थागत हत्या बताया और राज्य सरकार पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। विपक्ष ने मांग की कि इस मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) से कराई जाए और SIT को CBI जैसी शक्तियां दी जाएं, ताकि सच सामने आ सके। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राजनीतिक दबाव और सिस्टम की विफलता के कारण डॉक्टर को यह कदम उठाना पड़ा।

सीएम फडणवीस पर क्लीन चिट देने का आरोप

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद वर्षा गायकवाड़ और प्रवक्ता अतुल लोंढे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वे जांच पूरी होने से पहले ही आरोपियों को क्लीन चिट दे रहे हैं। नेताओं ने कहा कि महिला डॉक्टर पर शुगर मिल से जुड़े मजदूरों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बनाने का दबाव डाला जा रहा था, जिसमें एक पूर्व भाजपा सांसद का नाम भी शामिल है। कांग्रेस ने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच, निर्भया कानून की तर्ज पर महाराष्ट्र में सख्त कानून और SIT जांच की मांग की। पार्टी ने चेतावनी दी कि महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए वह सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

अच्छी खबर | विभाग सचिव तुकाराम मुंढे ने जारी किया शासनादेश

सेवा के दौरान दिव्यांग होने पर अब नहीं निकाले जाएंगे सरकारी कर्मचारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए स्पष्ट किया है कि सेवा के दौरान दिव्यांगता आने पर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, न ही उनके पद का दर्जा घटाया जाएगा। इस संबंध में राज्य के दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे ने गुरुवार को शासनादेश जारी किया।

नए आदेश के तहत सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे सेवा के दौरान दिव्यांगता होने वाले कर्मियों के लिए अधिसंख्य (सुपरन्यूमेरी) पद सृजित करें, ताकि उन्हें वैकल्पिक पद पर समायोजित किया जा सके।

दिव्यांगता होने पर नौकरी और पद दोनों सुरक्षित

शासनादेश में कहा गया है कि दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 20(4) के अनुसार किसी भी सरकारी, अर्धसरकारी, स्थानीय निकाय, महामंडल या स्वायत्त संस्था में सेवा के दौरान दिव्यांगता आने पर कर्मी को न तो सेवा से हटाया जा सकता है, और न ही उसका पद कम किया जा सकता है।

यदि कोई कर्मचारी अपने वर्तमान पद के लिए आवश्यक पात्रता नहीं रखता है, तो उसे समान वेतन और सुविधाओं के साथ किसी अन्य पद पर पदस्थापित किया जाएगा। अगर ऐसा संभव न हो, तो उसे सेवानिवृत्ति तक अधिसंख्य पद पर रखा जाएगा।

राज्य में 4 प्रतिशत आरक्षण लागू

राज्य सरकार ने बताया कि वर्तमान में दिव्यांगों के लिए 4% आरक्षण लागू है। सभी विभागों को इस कोटे का पालन सुनिश्चित करना होगा ताकि कोई भी पात्र दिव्यांग व्यक्ति इससे वंचित न रहे।शासनादेश में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक विभाग को हर साल 1 जनवरी तक अपने विभागीय वेबसाइट पर दिव्यांग कर्मियों की संख्या, रिक्त पदों और मानव संसाधन की स्थिति की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और दिव्यांग हितों की बेहतर निगरानी हो सकेगी।

अधिसंख्य पदों के लिए वित्त और जीएडी की मंजूरी अनिवार्य

शासनादेश के अनुसार, ऐसे अधिसंख्य पदों के निर्माण के लिए सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) और वित्त विभाग से मंजूरी लेना आवश्यक होगा। यह प्रावधान दिव्यांग कर्मियों की नौकरी की सुरक्षा और गरिमा बनाए रखने के लिए किया गया है। प्रदेश के सभी विभागों को अब हर छह महीने में दिव्यांग आरक्षण वाले पदों की समीक्षा करनी होगी। खाली पदों की स्थिति का विश्लेषण कर अनुशेष (backlog) भरने की कार्यवाही करनी होगी।

'वंदे मातरम' पर सियासी विवाद

सपा विधायक रईस शेख ने सरकार से आदेश वापस लेने की मांग की

अबू आसिम आजमी पर देशद्रोह की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में राज्य सरकार द्वारा 31 अक्टूबर से 7 नवंबर तक सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' का पूर्ण गायन अनिवार्य किए जाने के आदेश को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक रईस शेख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे और राज्यमंत्री पंकज भोयर को पत्र लिखकर इस आदेश को तुरंत वापस लेने की मांग की है। शेख ने आरोप लगाया कि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के बजाय शिक्षा के क्षेत्र में धार्मिक मुद्दे लाकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का सांस्कृतिक एजेंडा लागू करने की कोशिश कर रही है।

आजमी पर देशद्रोह का केस दर्ज हो : मंत्री लोढ़ा

वंदे मातरम का विरोध करने पर राज्य के कौशल्य विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अबू आसिम आजमी ने 'वंदे मातरम' का विरोध करके करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का अपमान किया है, इसलिए उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। लोढ़ा ने कहा कि 'वंदे मातरम' राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम से ओतप्रोत गीत है, और इसका विरोध असहनीय है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आजमी के मानखुर्द विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सामूहिक 'वंदे मातरम' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा — 'वह चाहें तो वहां आकर इसका विरोध करके दिखाएं,' लोढ़ा ने कहा।

अबू आसिम आजमी ने भी किया विरोध

राज्य सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भी 'वंदे मातरम' के अनिवार्य गायन का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इससे कुछ समुदायों की भावनाएं आहत होती हैं और यह कदम संविधान की भावना और मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। विधायक रईस शेख ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान है, जबकि 'वंदे मातरम' को उसी स्तर पर लाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार 150 वर्ष पूरे होने के नाम पर स्कूलों में जबरन गायन और गीत प्रदर्शनी आयोजित करने की बाध्यता थोप रही है, जो नियमों और संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र जैसा प्रगतिशील राज्य ऐसे फैसलों से पीछे जा रहा है और किसी संगठन के पत्र के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा यह आदेश जारी करना उचित नहीं है।

100 उल्हासनगर परिवहन सेवा की बस चलाने का वादा हवा हवाई

- चार्जिंग सेंटर और पार्किंग का पता नही
- कल्याण के वसंत वैली में धूल खाती खडी हैं पांच एसी बस

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा परिवहन सेवा के तहत 100 बसों को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन दो वर्ष बीतने के बावजूद अभी तक केवल 20 बसें ही चालू हो सकी हैं। इनमें से 10 सामान्य और 5 वातानुकूलित (ए.सी.) बसें फिलहाल सड़कों पर चल रही हैं, जबकि अन्य 5 ए.सी. बसें महीनों से कल्याण के वसंत वैली डिपो में खड़ी धूल खा रही हैं। स्थानीय यात्रियों ने इन बसों को टिटवाला के श्री गणेश मंदिर और उल्हासनगर स्टेशन तक संचालित करने की मांग की है। उल्हासनगर परिवहन सेवा की इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पुणे की कंपनी 'ईका' द्वारा किया जा रहा है। नगर निगम चार्जिंग, पार्किंग, मरम्मत और सफाई के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, जिसके चलते बस सेवा विस्तार की बजाय सिकुड़ती दिखाई दे रही है। शहर के लिए 100 बसें विभिन्न मार्गों पर चलाने की योजना है, लेकिन फिलहाल 10 सामान्य बसें शहाड स्टेशन से उल्हासनगर-5 स्थित शिव मंदिर तक और 5 ए.सी. बसें बदलापूर पश्चिम से कल्याण तक चलाई जा रही हैं। इससे नागरिकों में योजना की प्रगति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उल्हासनगर मनपा के परिवहन प्रमुख विनोद केणे ने बताया कि परिवहन व्यवस्था सुधारने के प्रयास जारी हैं। जल्द ही वाशी और बेलापुर जैसे ठाणे जिले के अन्य क्षेत्रों तक बस सेवाएं शुरू करने की तैयारी है।

शनिवार को ठाणे के कुछ इलाकों में जलापूर्ति नहीं

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा की वागले प्रभाग समिति और लोकमान्य सावरकर नगर प्रभाग समिति के अंतर्गत इंदिरानगर क्षेत्र में 1168 मिमी व्यास की नई पानी की पाइपलाइन को शुरू किया जाएगा। इसके लिए नितिन कंपनी जंक्शन पर 750 मिमी व्यास की पाइपलाइन पर वाल्व लगाने का कार्य किया जाएगा। इस कारण शनिवार सुबह 9 बजे से रविवार सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जलापूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान इंदिरानगर जलकुंभ, श्रीनगर जलकुंभ, वारलीपाड़ा जलकुंभ, कैलाशनगर रेनो टैंक, रूपादेवी जलकुंभ, रूपादेवी रेनो टैंक, रामनगर जलकुंभ, येउर एयरफोर्स जलकुंभ और लोकमान्य जलकुंभ से जुड़े क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी।

कम दबाव से मिलेगी जलापूर्ति

जलापूर्ति बहाल होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी का दबाव कम रहेगा। मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे पानी का उपयोग संयम से करें और कटौती अवधि में सहयोग दें।

एक फ्लैट में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे शहर स्थित चार मंजिला इमारत के एक फ्लैट में देर रात अचानक आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और गुरुवार तड़के आग पर काबू पाया। घटना के कारणों की जांच ठाणे पुलिस द्वारा की जा रही है। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी के अनुसार, आग चौथे मंजिल पर स्थित फ्लैट में लगी थी। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और अंदर फंसे सचिन निकम (45) को बचाकर तुरंत कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी तड़के मौत हो गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर पूरी तरह काबू पाते हुए फ्लैट को सुरक्षित कर लिया, लेकिन अंदर रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया।

ठाणे रजिस्टार कार्यालय लिपिक 35 हजार रुपए लेते गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के बालकुम्ब स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक दीपक मधुराव इसल और उनके सहयोगी अजित विठ्ठल कोकमकर को ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों पर 73 वर्षीय शिकायतकर्ता से दस्तावेज जारी करने के नाम पर 65 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायतकर्ता की मां ने 1987 में भायंदर पश्चिम स्थित जय लक्ष्मी कॉप सोसायटी में 145 वर्गफुट की दुकान खरीदी थी। 2009 में दस्तावेज अधिकृत करने के लिए असिस्टेंट रजिस्ट्रार कार्यालय में कागजात जमा किए गए थे। शिकायतकर्ता ने जब दस्तावेज प्राप्त करने के लिए 6 अक्टूबर 2025 को वरिष्ठ लिपिक दीपक इसल से संपर्क किया, तो उन्होंने अपने सहायक अजित कोकमकर से मिलने को कहा। कोकमकर ने दस्तावेजों पर नोटिंग करते हुए 35-35 हजार की दो किस्तों में कुल 70 हजार की मांग की। बाद में दोनों ने राशि घटाकर 65 हजार कर दी। शिकायतकर्ता द्वारा 28 अक्टूबर को ठाणे एसीबी में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद बुधवार दोपहर 2.55 बजे जाल बिछाया गया और अजित कोकमकर को 35 हजार रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। उसके तुरंत बाद वरिष्ठ लिपिक दीपक इसल को भी हिरासत में लिया गया। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

एमबीवीवी पुलिस की अश्विनी भिलारे को पेनचक सिलाट में कांस्य

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

10वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर 2025 में पेनचक सिलाट खेल की टीम श्रेणी (रेगु) में महिला पुलिस हवलदार अश्विनी भिलारे ने कांस्य पदक जीतकर मीरा-भाईंदर, वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय का नाम रोशन किया। महाराष्ट्र पुलिस के 85 खिलाड़ियों में से 10 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य को गर्व महसूस कराया। जम्मू-कश्मीर में 8 से 16 अक्टूबर तक आयोजित इस राष्ट्रीय खेल महोत्सव में देशभर की पुलिस टीमों ने हिस्सा लिया। इंडोनेशियाई मार्शल आर्ट पेनचक सिलाट की रेगु श्रेणी में अश्विनी ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया। वे एक प्रोफेशनल बॉक्सर भी हैं और बॉक्सिंग में कई पदक जीत चुकी हैं। हवलदार अश्विनी भिलारे एमबीवीवी पुलिस के वसई यातायात विभाग में तैनात हैं। जून में मुंबई के घाटकोपर में आयोजित चयन परीक्षा में उनका चयन हुआ था, जिसके बाद सभी चयनित खिलाड़ियों ने नासिक पुलिस मुख्यालय में दो महीने का कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया। एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान कर उनकी सराहना की।

गौशालाओं में धूमधाम से मनाई गई गोपाष्टमी

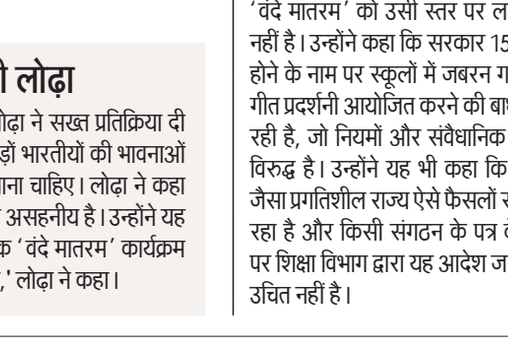

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

भाईंदर (प.) के केशव सृष्टि परिसर में गौसेवा परिषद (वीएचपी) द्वारा संचालित केशव सृष्टि गौशाला तथा शहर की श्री गिरिराज गौशाला, श्री बालाजी गौशाला और श्री गायत्री गौशाला में भक्ति भाव से गोपाष्टमी का पर्व मनाया गया। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाई जाने वाली गोपाष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण की भक्ति के साथ गौ पूजन का विशेष महत्व होता है। केशव सृष्टि गौशाला में बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने गौमाता को वस्त्र और छप्पन भोग अर्पित कर पूजा की। गौपूजन अनुष्ठान के तहत गौपुष्टि यज्ञ कर विश्व शांति की कामना की गई तथा दोपहर में महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर गौशाला के नए शेड का निर्माण कार्य भी किया गया। अन्य गौशालाओं में भी विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए, जिनमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। भाईंदर (पू.) के आरएनपी पार्क स्थित श्री गिरिराज गौशाला में विधायक नरेंद्र मेहता ने विधिवत गौ पूजन किया।

गौ माता हमारी आस्था की प्रतीक : विधायक नरेंद्र मेहता

विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि गोपाष्टमी महोत्सव में शामिल होना सौभाग्य है। गौ माता हमारी आस्था, समृद्धि और करुणा की प्रतीक हैं। इस अवसर पर सभी से अपील है कि गौ सेवा और संरक्षण का संकल्प लें।

आधुनिक विज्ञान में भी देशी गाय का महत्व : डॉ. सुशील अग्रवाल

डॉ. सुशील अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी देशी गाय के महत्व को स्वीकार कर रहा है। देशी गाय का दूध, घी, गोबर और गोमूत्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। गोबर से बायोगैस और जैविक खाद बनती है, जो पर्यावरण और कृषि के लिए उत्तम है। वहीं श्री बालाजी गौशाला के पंडित रमेश शर्मा ने कहा कि गोपाष्टमी हमें बताती है कि गौ कितनी पूजनीय है। इसलिए कई राज्य सरकारों ने गौ को राज्य माता का दर्जा दिया है।

821 अतिक्रमित दुकानों के खिलाफ तोड़ू कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर-कल्याण-अंबरनाथ राज्य राजमार्ग 35 को 100 फीट चौड़ा करने की परियोजना के तहत शांतिनगर से शिवाजी चौक, फॉलवर लाइन और साईं बाबा मंदिर क्षेत्र तक सड़क के दोनों ओर करीब 821 अतिक्रमित संपत्तियों पर कार्रवाई की गई थी। यह कार्रवाई तत्कालीन मनपा आयुक्त मनोहर हीरे के कार्यकाल में की गई थी। इसी के तहत महाराजा हॉल के सामने व्यापारी भोजराज की दुकान भी प्रभावित हुई थी। व्यापारी भोजराज ने 2015 में अदालत का रुख किया था और अपनी दुकान पर स्थगन आदेश प्राप्त कर वैकल्पिक स्थान की मांग की थी। सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद मनपा ने उन्हें विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास चुंगी चौकी क्षेत्र में वैकल्पिक जगह आवंटित की। सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी की मौजूदगी में पुराने निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

अदालती मामलों पर भी होगी कार्रवाई

सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी ने बताया कि जिन दुकानों पर अदालती प्रक्रिया जारी है, उनके निर्णय के बाद संबंधित संपत्तियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि इस कदम से राजमार्ग चौड़ीकरण कार्य में तेजी आएगी और परियोजना जल्द पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

चलती कार पर पहाड़ से पत्थर गिरा महिला की मौत

डीबीडी संवाददाता । रायगढ़

रायगढ़ जिले के मानगांव तहसील में स्थित कोंडेथर गांव के पास गुरुवार को सुबह ताम्हिनी घाट की पहाड़ी से एक पत्थर चलती कार पर गिरने से एक महिला की मौत हो गई। इस घटना की छानबीन मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस निरीक्षक निवृत्ति बोरहाड ने बताया कि मृतक महिला की पहचान स्नेहल गोविंददास गुजराती (43) के रुप में की गई है। उन्होंने बताया कि स्नेहल अपने पति गोविंददास के साथ आज सुबह मानगांव के गोरेगांव जा रही थी। जैसे ही उनकी कार कोंडेथर गांव के पास पहुंची, उसी समय ताम्हिनी घाट की पहाड़ी से एक पत्थर उनकी कार पर गिर गया। इससे महिला के सिर में गंभीर चोट लगी और बेहोश हो गई। घायल महिला को तत्काल इलाज के लिए मानगांव उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई।

ठाणे डीजीपी का ग्रामीण क्षेत्रों में आवास कार्यों का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य में 'मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान' चलाया जा रहा है, जिसमें लक्ष्यानुसार आवास गृहों की स्वीकृति, निर्माण कार्य की किश्तों का वितरण, रेत पास जारी करना और आवासों का भौतिक रूप से पूर्ण होना जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। साथ ही, चरण-2 में स्वीकृत आवासों को प्रधानमंत्री सूर्यांघर योजना का लाभ देने का भी प्रावधान है।

ठाणे जिला परिषद के अनुसार, 29 अक्टूबर 2025 को शाहपुर, मुरबाड और भिवंडी तहसीलों में स्वीकृत ग्रामीण आवास गृहों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डॉ. राजाराम दिघे (ग्रामीण आवास निर्माण निदेशक, महाराष्ट्र), कोंकण संभाग के अतिरिक्त आयुक्त माणिक दिवे, परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोडे, उपनिदेशक डॉ. सचिन पानझडे और राजलक्ष्मी येरपुडे ने पटगाँव, शिरगाँव, खातिवली, बोरशेती, खरडी, कटाई, काम्बे और परिवली जैसे क्षेत्रों का दौरा किया। अधिकारियों ने लाभार्थियों से बातचीत की और मनरेगा कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक में की गई प्रगति समीक्षा और दिए निर्देश

निरीक्षण के बाद शाहपुर पंचायत समिति में बैठक आयोजित की गई, जिसमें समूह विकास अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों, मनरेगा एवं आवास संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों ने भाग लिया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण चरण-1 एवं 2 और राज्य प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत अधूरे घरों को पूर्ण करने पर जोर दिया गया। साथ ही, सभी लाभार्थियों को मनरेगा का लाभ सुनिश्चित करने और सूर्यघरों सहित सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलानी समर्थक पंकज त्रिलोकानी ने किया आत्मसमर्पण

भाजपा विधायक कुमार आयलानी पर फंसाने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में चार वर्ष पूर्व सामने आए सनसनीखेज अंडरवर्ल्ड धमकी मामले में नई कार्रवाई हुई है। क्रेडिट सोसायटी से लिए गए कर्ज को माफ कराने के लिए कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड डॉन सुरेश पुजारी के ज़रिए कल्पतरू बैंक के चेयरमैन को जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में आरोपी पंकज तिलोकानी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद तिलोकानी को उल्हासनगर कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत से बाहर आते वक्त तिलोकानी ने मीडिया के सामने जोर-जोर से आरोप लगाए कि मुझे जानबूझकर फंसाया जा रहा है, विधायक मुझे इस मामले में फंसा रहे हैं। गिरफ्तारी से पहले तिलोकानी द्वारा बनाया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह इस मामले में राजनीतिक साजिश का आरोप लगाते दिख रहा है। तिलोकानी ने यह दावा भी किया कि उसे निष्पक्ष जांच की जरूरत है और इसी मांग के चलते वह पुलिस के सामने समर्पित हुआ।

हाईकोर्ट ने रद्द किया संरक्षण आदेश

हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपियों को मिली गिरफ्तारी पूर्व सुरक्षा को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि तिलोकानी, सुशील उदासी और उमेश राजपाल की पुलिस हिरासत आवश्यक है। जब इस मामले पर विधायक कुमार आयलानी से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि इस मामले से मेरा कोई संबंध नहीं। कोर्ट ने उसकी बेल रद्द की है, अब वह इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है।

क्या है पूरा मामला?

मामला उस समय सामने आया था जब कैंप नंबर 1, गोलमैदान निवासी अमित वाधवा (कल्पतरू बैंक चेयरमैन) को अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय नंबरों से धमकी भरे कॉल आए। कॉल करने वाला खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन बताकर 1 करोड़ की फिरौती मांगता था और जान से मारने की धमकी देता था। वाधवा द्वारा रकम देने में असमर्थता जताने पर आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि यदि पैसा नहीं दे सकते तो उल्हासनगर के चार लोगों — पंकज तिलोकानी, रोशन माखीजा, उमेश राजपाल और सुशील उदासी — द्वारा लिए गए कर्ज और ब्याज को माफ कर दें। शिकायत के बाद चार वर्ष पूर्व पुजारी समेत पांच लोगों पर IPC की धारा 385, 387, 504, 506 और 120 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वालों को किया गया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के युवा एथलीट शौर्या अंबुरे और हर्ष राउत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर शहर का नाम रोशन किया है। शौर्या ने बहरीन में आयोजित एशियाई युवा खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.73 सेकंड का समय दर्ज करते हुए रजत पदक जीता, जबकि हर्ष राउत ने चौथी दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 100 मीटर रिले स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इन उपलब्धियों पर मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दोनों खिलाड़ियों का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयुक्त ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराने में ठाणे मनपा की सक्रिय भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि मनपा प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर दोनों खिलाड़ियों के कोच अजीत कुलकर्णी और नीलेश पाटकर को भी सम्मानित किया गया तथा खिलाड़ियों के माता-पिता की प्रेरणा और समर्पण की सराहना की गई।

राज ठाकरे बने महा आघाड़ी के गले की फांस

शरद पवार गुट में मतभेद, कांग्रेस ने बनाई दूरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आगामी मुंबई मनपा चुनाव को लेकर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के संभावित गठबंधन ने विपक्षी महा आघाड़ी में खलबली मचा दी है। कांग्रेस जहां राज ठाकरे से दूरी बनाए रखना चाहती है, वहीं एनसीपी (शरद पवार गुट) के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद गहराते दिख रहे हैं। पार्टी नेताओं में राज के साथ जाने को लेकर दो खेमे बन गए हैं।

राकांपा (शरद) की बैठक में दो राय

दो दिन पहले यशवंतराव चव्हाण सभागृह में शरद पवार ने पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई। सूत्रों के अनुसार बैठक में राज ठाकरे के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने पर चर्चा हुई। पार्टी के मुस्लिम नेताओं ने राज के साथ गठबंधन का कड़ा विरोध किया, जबकि मराठी नेताओं ने कहा कि उद्धव और राज दोनों के साथ आने से कुछ सीटों पर जीत की संभावना बढ़ेगी। एक नेता ने कहा कि राज के साथ जाने से मुस्लिम वोट बैंक खिसक सकता है।

बीजेपी की चाल का शक, कुछ नेताओं की 'सोलो फाइट' की मांग

बैठक में कुछ नेताओं ने आशंका जताई कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की रणनीति के तहत राज ठाकरे महा आघाड़ी के करीब आ रहे हैं, ताकि गठबंधन को कमजोर किया जा सके। कुछ नेताओं ने सभी 227 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का सुझाव भी दिया। शरद पवार ने चर्चा सुनी लेकिन अपनी ओर से कोई टिप्पणी नहीं की।

कांग्रेस की दुविधा: बिहार समीकरण आड़े आए

राज ठाकरे के मुद्दे पर कांग्रेस भी असमंजस में है। बिहार चुनाव को देखते हुए पार्टी उनके साथ सार्वजनिक रूप से खड़ी नहीं होना चाहती। बिहार में राज ठाकरे को लेकर भारी नाराजगी है, और कांग्रेस को डर है कि महाराष्ट्र में राज के साथ गठबंधन का संदेश बिहार में नुकसान पहुंचा सकता है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि तात्कालिक लाभ हो सकता है, लेकिन दीर्घकालिक राजनीति के लिए यह कदम सही नहीं होगा। पार्टी का मानना है कि उसे प्रांतवाद की राजनीति से दूरी रखते हुए अकेले लड़ना चाहिए।

महायुति में एकजुटता

जहां विपक्षी खेमे में उथल-पुथल बढ़ रही है, वहीं सत्ताधारी महायुति ने मुंबई मनपा चुनाव में एकजुट रहने का फैसला किया है। भले ही पुणे, पिंपरी-चिंचवड, नागपुर और अन्य नगर निगमों में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) अलग-अलग लड़ेंगी, लेकिन बीएमसी में तीनों दल मिलकर मैदान में उतरेंगे। आने वाले दिनों में मुंबई की राजनीति और भी दिलचस्प होने वाली है।

समुद्री विकास की मिली नई दिशा

हडको ने 1.1 लाख करोड़ के एमओयू पर किए हस्ताक्षर

मुंबई। मुंबई में आयोजित मैरिटाइम सप्ताह 2025 के दौरान हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको) ने भारत के बंदरगाह इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये के वित्तपोषण हेतु छह प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरणों के साथ समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए। यह ऐतिहासिक पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "पोर्ट-आधारित विकास" के विज़न और सागरमाला कार्यक्रम के अनुरूप है, जो भारत को एक वैश्विक समुद्री हब में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

छह प्रमुख बंदरगाहों के साथ समझौते

हडको ने निम्नलिखित बंदरगाह प्राधिकरणों और संस्थानों के साथ समझौते किए –

- श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (कोलकाता)
- विशाखापत्तनम पोर्ट अथॉरिटी (आंध्र प्रदेश)
- पारादीप पोर्ट अथॉरिटी (ओडिशा)
- जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (मुंबई)
- मुंबई पोर्ट अथॉरिटी
- सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन चुनाव

अजित पवार गुट का दबदबा, पैनल की घोषणा

22 से अधिक खेल संघों का समर्थन, कई पदों पर बिनविरोध चयन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन (MOA) के आगामी चुनाव में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले ओलंपिक पैनल ने अपनी मजबूत स्थिति बना ली है। रविवार, 2 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले ही यह संकेत मिल गया है कि पैनल को राज्य के अधिकांश खेल संघों का समर्थन हासिल है, जिससे उसकी जीत लगभग तय मानी जा रही है।

खेल विकास को समर्पित: पवार

प्रदीप गंधे ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसका श्रेय खिलाड़ियों की मेहनत और सरकार के सहयोग को जाता है। उन्होंने बताया कि अजित पवार के नेतृत्व में 'महाराष्ट्र ओलंपिक भवन' और देश का पहला खेल संग्रहालय स्थापित करने की दिशा में काम जारी है। वहीं, अजित पवार ने कहा, "यह राजनीतिक नहीं, खेल भावना का चुनाव है। हमारा लक्ष्य राजनीति से दूर रहकर खेलों के विकास पर केंद्रित रहना है।"

अधिकांश संघों का समर्थन, तीन उम्मीदवार निर्विरोध

मुंबई में आयोजित प्रेस वार्ता में अर्जुन पुरस्कार विजेता अशोक पंडित और ध्यानचंद पुरस्कार विजेता प्रदीप गंधे ने पैनल की औपचारिक घोषणा की। बताया गया कि कुल 21 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से तीन पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। 30 मतदाता संघों में से 22 से अधिक ने अजित पवार पैनल का समर्थन किया है। पैनल में अध्यक्ष पद के लिए अजित पवार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक पंडित, उपाध्यक्ष आदिल सुमारीवाला, प्रदीप गंधे और प्रशांत देशपांडे (तीनों निर्विरोध), सचिव नामदेव शिरगांवकर, सहसचिव निलेश जगताप सहित अन्य प्रमुख नाम शामिल हैं।

भाजपा का तीन दिवसीय 'घर चलो अभियान' आज से शुरू

'आवाज़ मुंबईकरों की, संकल्प भाजपा का' के तहत नागरिकों से सीधे संवाद करेगी मुंबई भाजपा

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई भाजपा शहर के नागरिकों की राय और अपेक्षाओं को जानने के लिए 'आवाज़ मुंबईकरों की, संकल्प भाजपा का' नामक तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रही है। यह विशेष 'घर चलो अभियान' 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलेगा, जिसमें पार्टी नागरिकों से सीधे संवाद करेगी।

घर-घर पहुंचकर लिए जाएंगे सुझाव

मुंबई भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मुंबई के बहुआयामी विकास की रूपरेखा नागरिकों की राय के आधार पर तैयार करना है। इसके तहत भाजपा कार्यकर्ता घर-घर, रेलवे स्टेशन, कॉलेजों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जाकर नागरिकों से सुझाव और प्रतिक्रिया दर्ज करेंगे। अभियान की शुरुआत शुक्रवार सुबह 6.30 बजे नेशनल पार्क से होगी और इसके बाद दोपहर 3 बजे पद्मश्री अशोक सराफ से मुलाकात की जाएगी। रविवार सुबह 6.30 बजे मरीन ड्राइव पर भी नागरिकों से संवाद किया जाएगा।

विभिन्न वर्गों से हो रही है बातचीत

अमित साटम ने बताया कि इससे पहले भी इस पहल के तहत हमाल बंधुओं, सफाई कर्मियों, डब्बेवालों और आदिवासी समुदाय के लोगों से उनकी राय ली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह अभियान व्यापक नागरिक भागीदारी के साथ मुंबई के विकास का नया खाका तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जुआ भाग्य का खेल, कौशल नहीं : बॉम्बे हाईकोर्ट

कोर्ट ने पांच आरोपियों को बरी करने से किया इनकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने जुआ को 'भाग्य का खेल' बताते हुए कहा कि यह कौशल का खेल नहीं है और महाराष्ट्र जुआ निवारण अधिनियम की धारा 12 के तहत आता है। कोर्ट ने जुआ के आरोप में गिरफ्तार पांच आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया। यह फैसला न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति रंजीतसिंह राजा भोंसले की पीठ ने सुनाया।

कोर्ट ने माना मजबूत मामला

पीठ ने कहा कि prima facie रिकॉर्ड में आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि यह गतिविधि मटका जुए से जुड़ी है और याचिकाकर्ताओं का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

याचिकाकर्ताओं का तर्क खारिज

सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकील सत्यव्रत जोशी ने दलील दी कि पुलिस ने छापेमारी से पहले उच्च अधिकारी से अनुमति नहीं ली। उन्होंने कहा कि 'मटका' भाग्य का खेल नहीं बल्कि कौशल का खेल है, इसलिए धारा 12 के तहत कार्रवाई गलत है और आरोपियों को बरी किया जाना चाहिए। सरकारी वकील माधवी एच. म्हात्रे ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि एफआईआर और पंचनामा से स्पष्ट है कि आरोपी जुए की गतिविधियों में शामिल थे।

क्या है मामला?

पुलिस ने कर्जत के सांगवी गांव स्थित संज़ारा फार्म में छापा मारकर पांच लोगों को 'कल्याण में मटका' खेलते हुए पकड़ा था। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। घटना के बाद 8 अप्रैल 2022 को महाराष्ट्र जुआ निवारण अधिनियम की धारा 12(ए) के तहत एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

राहत से इनकार, केस जारी

याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में गिरफ्तारी और दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जुआ सामाजिक अपराध है और कानून के दायरे में कार्रवाई सही है। अब इस मामले में निचली अदालत में मुकदमा आगे बढ़ेगा।

मध्य रेल

ई-नीलामी की सूचना

मुंबई मंडल, मध्य रेलवे ने ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से **www.ireps.gov.in** पर नीचे दी गई संपत्तियों कि लीजिंग के लिए ई-नीलामी का आह्वान किया है। इच्छुक बोली दाताओंको ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल में पंजीकृत होना आवश्यक है और ई-नीलामी से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि नीचे उल्लिखित ई-नीलामी के विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें:

क्र.सं.	श्रेणी	उप-श्रेणी	नीलामी प्रारंभ दिनांक
1	विज्ञापन	आरडीएन-डिजिटल एवं गैर-डिजिटल	12-11-2025
		आउट ऑफ होम (OOH)	30-10-2025
		ट्रेनों में मोबाइल संपत्ति (बाहरी एवं आंतरिक)	31-10-2025
2	एटीएम	सीएसएमटी एवं पीआर में एटीएम	03-11-2025
3	पार्सल	23FRSLR, 29FRSSLR क्रमशः	06-11-2025, 07-11-2025
4	पे एंड पार्किंग	मिश्रित पार्किंग	07-11-2025, 12-11-2025
5	अन्य एनएफआर/एनआई एनएफआरआईएस	5 स्टेशनों पर प्रचारक कियोस्क	12-11-2025
		प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम) कल्याण एवं एलएनएल/टीएनए क्रमशः	10-11-2025, 12-11-2025
		आरएमसी विश्रांति कुर्सी - सीएसएमटी एवं डीआर क्रमशः	03-11-2025, 07-11-2025
		6 स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष (ईएमआर)	30-11-2025
		भायखला स्टेशन पर मोबाइल एवं सहायक उपकरण कियोस्क	04-11-2025

इसके अलावा विषय नीलामी के संबंध में, परिशिष्ट/शुद्धिपत्र, लॉट/कैटलॉग की वापसी, नीलामी की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

डीआरएम (सी), सीएसएमटी 604

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA

टेली. नं.022-66405432, ईमेल-eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्र.EEWest/ MSIB/ ई-टेंडर /173 /2025-26

शुद्धीपत्र

दो बजे दोपहर अखबार में 30 अक्टूबर 2025 को पेज नं 3 पर जो मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल का विज्ञापन छापा गया है, उसका ई- निविदा सूचना क्रमांक.173, सीपीआरओ नं. ए/842, उसमें जो **कार्यकारी अभियंता (पूर्व) डिवीजन,** छापा गया है वह गलत है, उसे ऐसा न पढ़कर **कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन** पढ़ा जाए।

सही
कार्यकारी अभियंता (पश्चिम),
मुं.झो.सु.मंडल, मुंबई

म्हाडा-गृहनिर्माण क्षेत्र की देश की अग्रणी संस्था
सीपीआरओ/ए/842

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निर्माता / अधिकृत विक्रेता / वितरक / आपूर्तिकर्ता / सेवा प्रदाता से निम्नलिखित कार्य हेतु आइटम रेट आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है:

क्र.	निविदा क्र.	विषय
1	**ACPN/SR/2528/AEM दिनांक 30.10.2025**	एच.बी.टी. के लिए एक्सप्रेस जोन बीट क्र. 44 तथा एस.पी.सी.एल. दिंडोशी बीट क्र. 41, मालाड (पूर्व), पी/नार्थ वार्ड क्षेत्र में 180 दिनों के लिए तीन शिफ्टों में सुरक्षा रक्षक उपलब्ध कराना।
निविदा विक्री प्रारंभ तिथि एवं समय		31/10/2025, सुबह 11:00 बजे से
ई-निविदा विक्री की अंतिम तिथि एवं समय		07/11/2025, दोपहर 02:00 बजे तक
वाणिज्यिक निविदा खुलने की तिथि एवं समय		08/11/2025, सुबह 10:00 बजे
वेबसाइट		https://portal.mcgm.gov.in
संपर्क व्यक्ति		श्री रोहन खराट सहायक अभियंता (रखरखाव), पी/नार्थ वार्ड
कार्यालय का दूरभाष क्रमांक		(022) 28823266 / 28824913

निविदा दस्तावेज बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट के "Tenders" अनुभाग से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

हस्ता/-
सहायक आयुक्त, पी/नार्थ वार्ड

पीआरओ/2061/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज़ क्रमांक	बोली क्रमांक – 2025 MCGM_1236492_1
संस्था का नाम	ग्रुप ऑफ टी.बी. हॉस्पिटल्स, सिवड़ी
विषय	**जी.टी.बी. हॉस्पिटल की प्रयोगशाला के लिए मानक सहायक उपकरणों सहित पूर्णतः स्वचालित बायोकेमिस्ट्री एनालाइज़र की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करने (SITC) का कार्य, 3 वर्ष की वारंटी एवं 7 वर्ष की सी.एम.सी. (Comprehensive Maintenance Contract) सहित।**
निविदा शुल्क	3,630 + (18% जी.एस.टी.)
ई-निविदा की अनुमानित लागत	आइटम रेट निविदा (Item Rate Tender)
बोली सुरक्षा जमा राशि / ई.एम.डी	25,000.00
निविदा जारी एवं बिक्री की तिथि	31.10.2025, प्रातः 11:00 बजे से
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि एवं बोली सुरक्षा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	11.11.2025, सायं 4:00 बजे तक
पैकेट A एवं पैकेट B खोलने की तिथि	22.11.2025, प्रातः 11:00 बजे के बाद
पत्राचार का पता	चिकित्सा अधीक्षक, जी.टी.बी. हॉस्पिटल, जेरबाई वाडिया रोड, सिवड़ी, मुंबई – 400015
निविदा खोलने का स्थान	ऑनलाइन, चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में

हस्ता/-
चिकित्सा अधीक्षक,
जी.टी.बी. हॉस्पिटल

पीआरओ./2066/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मध्य रेल

गिट्टी की आपूर्ति और स्टैकिंग

खुली ई-निविदा सूचना सं.: DYCECPNVL-2025-01 दिनांक: 24.10.2025

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), मध्य रेलवे, उप मुख्य अभियंता (नि.) दादर @ पनवेल ओरियन मॉल के पिछे, बालाजी ऑगन बिल्डिंग के सामने चौथी मंजिल, पुराना पनवेल, जिला (रायगढ़) – 410206 के लिए और भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर ई-टेंडर इलेक्ट्रॉनिक रूप से लोड किया जाना चाहिए। **कार्य का नाम:** निल्जे-कोपर कॉर्ड लाइन और पेन-डोल्वी पैच दोहरीकरण कार्य के लिए फरवरी 2023 के ट्रैक गिट्टी संख्या आईआरएस-जीई-1 के लिए आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार गिट्टी की आपूर्ति और स्टैकिंग। **अनुमानित लागत:** रु. 7.41 करोड़ **बयाना राशि:** रु. 5,20,700/- **वेब का पता:** भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** **काम पूरा होने की अवधि:** मानसून सहित 6 महीने। **प्रस्ताव दस्तावेज की उपलब्धता:** उपरोक्त कार्य के लिए निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध है। **www.ireps.gov.in** **निविदा के समापन की तिथि और समय:** ई-निविदा विधिवत सभी संबंध में पूर उपरोक्त वेबसाइट पर 17/11/2025 पर 15.00 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक रूप से लोड किया जाना चाहिए।

उ.मु.अ.(नि.) दादर@पनवेल 605

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस जोधपुर के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगा

ट्रेन सं.	शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन	सर्विस की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
04834	बांद्रा टर्मिनस -जोधपुर	03.11.2025	10:00 बजे (सोमवार)	11:25 बजे (अगला दिन)
04833	जोधपुर -बांद्रा टर्मिनस	02.11.2025	06:45 बजे (रविवार)	07:00 बजे (अगला दिन)

हॉल्ट: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, बनस्थली निवाई, दुर्गापुरा, जयपुर, असलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेरटा रोड स्टेशन दोनों दिशाओं में।

कंपोजिशन: फर्स्ट AC, AC - 2 टियर, AC - 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच।

खातीपुरा वीकली स्पेशल ट्रेन नंबर 09007/09008 वलसाड ट्रेन को क्रमशः 27/11/2025 और 28/11/2025 तक बढ़ाया गया है।

स्टॉपेज, रुकने का समय और कंपोजिशन के बारे में पूरी जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 04834 और **ट्रेन नंबर 09007** के एक्सटेंडेड ट्रिप की बुकिंग **01/11/2025** से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेनें स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly
हमें फॉलो करें instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

संपादकीय

उम्मीदों पर पानी

आखिरकार, लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित कृत्रिम बारिश का प्रयोग सिरे नहीं चढ़ सका है। अन्ततः दिल्ली में यह बहु-प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ाने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन-प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है। ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ाने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी। फिर भी यदि सरकार आगे बढ़ी तो निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकार की प्राथमिकता परिणामों के बजाय इससे मिलने वाले प्रचार को लेकर ज्यादा रही। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या दिल्ली सरकार समस्या के वास्तविक समाधानों की अनदेखी करते हुए कृत्रिम बारिश को सिरे चढ़ाने वाले महंगे विकल्पों पर दांव लगा सकती है? वास्तव में हमें प्रदूषण की जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। कृत्रिम बारिश एक फौरी विकल्प तो हो सकता है,लेकिन समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। वास्तव में आज जरूरत प्रदूषण उत्सर्जन के स्रोतों को बंद करने की है। दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है ताकि लोग निजी वाहनों का उपयोग कम करें। सरकार की प्राथमिकता वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने, साल भर चलने वाले निर्माण कार्य से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण अनुकूल मानदंडों को सख्ती से लागू करने की होनी चाहिए। सरकार को चाहिए था कि खर्चीली कृत्रिम बारिश की योजना को सिरे चढ़ाने के बजाय हवा को अधिक प्रभावी ढंग से साफ करने को तरजीह दी जाती। निर्विवाद रूप से यह असफल प्रयोग सत्ताधीशों की एक बड़ी बीमारी को भी दर्शाता है, जो प्रदूषण नियंत्रण को बतौर कारगर नीति लागू करने के बजाय उसके समाधान के प्रयासों को प्रचारित करने की प्रवृत्ति से ग्रसित हैं। दिल्ली की कई सरकारों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण कार्य में प्रगति कम हुई है और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करके लोकलुभावनी योजनाओं का ज्यादा प्रचार होता रहा है।

शख्सियत — वल्लभ भाई पटेल

राष्ट्र निर्माण के नायक

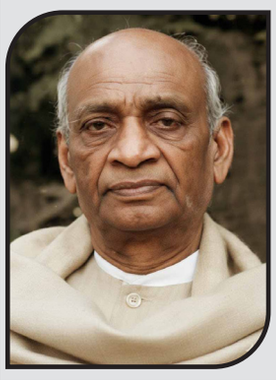

वल्लभभाई झावेरभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 – 15 दिसम्बर 1950) भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम से जानते हैं। 'सरदार' का अर्थ है प्रमुख। उन्होंने भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत में देशी रियासतों के एकीकरण की महान चुनौती को उन्होंने सफलतापूर्वक हल किया।

पटेल का जन्म नडियाद, गुजरात में एक लेवा पटेल (पाटीदार) जाति में हुआ था। वे झवेरभाई पटेल एवं लाडबा देवी की चौथी संतान थे। सोमाभाई, नरसीभाई और विट्ठलभाई उनके अग्रज थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से ही हुई। लंदन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया।

स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल का सबसे पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेड़ा संघर्ष में हुआ। गुजरात का खेड़ा खंड (डिविजन) उन दिनों भयंकर सूखे की चपेट में था। किसानों ने अंग्रेज सरकार से भारी कर में छूट की मांग की। जब यह स्वीकार नहीं किया गया तो सरदार पटेल, गांधीजी एवं अन्य लोगों ने किसानों का नेतृत्व किया और उन्हें कर न देने के लिए प्रेरित किया। अंत में सरकार झुकी और उस वर्ष करों में राहत दी गई। यह सरदार पटेल की पहली सफलता थी।

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू व प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल में आकाश-पाताल का अंतर था। यद्यपि दोनों ने इंग्लैंड जाकर बैरिस्टरी की डिग्री प्राप्त की थी, परंतु सरदार पटेल वकालत में पं. नेहरू से बहुत आगे थे तथा उन्होंने सम्पूर्ण ब्रिटिश साम्राज्य के विद्यार्थियों में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया था। नेहरू प्रायः सोचते रहते थे, सरदार पटेल उसे कर डालते थे। नेहरू शास्त्रों के ज्ञाता थे, पटेल शस्त्रों के पुजारी थे। पटेल ने भी ऊंची शिक्षा पाई थी, परंतु उनमें किंचित भी अहंकार नहीं था। वे स्वयं कहा करते थे — ₹मैंने कला या विज्ञान के विशाल गगन में ऊंची उड़ानें नहीं भरीं। मेरा विकास कच्ची झोपड़ियों में गरीब किसान के खेतों की भूमि और शहरों के गंदे मकानों में हुआ है।₹ पं. नेहरू को गांव की गंदगी तथा जीवन से चिढ़ थी। पं. नेहरू अंतरराष्ट्रीय ख्याति के इच्छुक थे तथा समाजवादी प्रधानमंत्री बनना चाहते थे।

यद्यपि अधिकांश प्रांतीय कांग्रेस समितियाँ पटेल के पक्ष में थीं, गांधी जी की इच्छा का आदर करते हुए पटेल जी ने प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अपने को दूर रखा और इसके लिए नेहरू का समर्थन किया। उन्हें उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री का कार्य सौंपा गया। किन्तु इसके बाद भी नेहरू और पटेल के संबंध तनावपूर्ण ही रहे। इसके चलते कई अवसरों पर दोनों ने ही अपने पद का त्याग करने की धमकी दी थी।

गृह मंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता देसी रियासतों (राज्यों) को भारत में मिलाना थी। इसको उन्होंने बिना कोई खून बहाए संपादित कर दिखाया। केवल हैदराबाद राज्य के ऑपरेशन पोलो के लिए उन्हें सेना भेजनी पड़ी। भारत के एकीकरण में उनके महान योगदान के लिए उन्हें भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। सन 1950 में उनका देहांत हो गया। इसके बाद नेहरू का कांग्रेस के अंदर बहुत कम विरोध शेष रहा।

आजादी से अब तक बिहार एक पिछड़ा हुआ राज्य क्यों है?

शालिनी सिन्हा

पूर्व अनुसंधान सहायिका
(केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान,लखनऊ)
गेस्ट फैकल्टी
(एज़ाज़ रिज़वी कॉलेज ऑफ जॉर्नलिज्म)
स्थानीय संपादक
(नॉर्थ इंडिया टाइम्स)
प्रबंध अधिकारी
(शहरी खेती एवम निरंतरता संस्थान)
मुक्त लेखिका एवम ऑथर

बिहार इलेक्शन मोड में है। हर तरफ बिहार की चर्चा है चर्चा इस बात की नहीं है कि बिहार को कैसे आगे बढ़ाया जाएगा, बल्कि चर्चा इस बात की है कि बिहार में अबकी बार किसकी सरकार होगी। इस तरह की चर्चाएं चलती रहनी चाहिए, किन्तु इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी बिहार पिछड़ा क्यों है ? वह तेलंगाना से अपनी बराबरी क्यों नहीं कर पा रहा है? वह अपनी सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली इतिहास के बावजूद भी इतना पीछे है कि तक़रीबन हर रैंकिंग में यह नीचे से टॉप करता है। आपको बता दूं कि बिहार एक यूथ कैपिटल है, फिर भी इसके विकास की रफ्तार अभी बहुत धीमी है । जबकि होना यह चाहिए कि जिस राज्य की युवा जनसंख्या अधिक है उस राज्य को सबसे अधिक विकास करना चाहिए। लेकिन स्थिति यहां तो बिल्कुल उलट है। यहां के युवाओं के पास ना तो कौशल है और ना ही रोजगार। बिहार में सड़कों का जाल तो बिछ गया, मगर उद्योगों का विकास अभी भी सरकार की लिस्ट से बाहर है। सरकार के पास नौकरियां देने का वादा तो है मगर नौकरियां कहां से आएगी? इसका खाका तैयार नहीं है । थोड़ी बहुत सरकारी बहालियां तो हर साल निकलती है मगर या तो ये रद्द हो जाती हैं या फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है। इन मुट्ठी भर बहालियों से बिहार के युवाओं को सशक्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए न सिर्फ ठोस पहल की जरूरत है बल्कि बिहार को उद्योगों से जोड़ना होगा,यह आसान तो नहीं है पर बिहार में विकास की नींव डालने के लिए यह एक अहम और प्राथमिक कदम है। बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है अतः बिहार में कृषि से संबंधित प्रोसेसिंग यूनिट लगाये जाने की तत्काल जरूरत है। बिहार में उन संभावनाओं को ढूंढा जाना चाहिए , जिसमें बिहार अन्य राज्यों से अधिक प्रगति कर सकता है जैसे - मत्स्य पालन और पशुपालन ।

कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बिहार एक लैंडलॉक्ड राज्य है इस वजह से इसका विकास नहीं हो पा रहा है लेकिन एकमात्र बिहार राज्य का लैंड लॉक्ड होना ही उसके प्रगति में बाधक का नहीं है। इसके अलावा भी कई ऐसे कारक हैं जिसकी वजह से बिहार प्रगति का रास्ता अख़्तियार नहीं कर पा रहा है। मेरी दृष्टि में बिहार के पिछड़ेपन का असल जिम्मेदार यहां के नीति निर्धारकों का रहा है। बिहार में शीर्ष स्तर से लेकर निचले स्तर तक के अधिकारीगण हो या फिर राजनेता वे अपनी जिम्मेदारियो से मुंह मोड़ते आए हैं। यहां किसी भी क्षेत्र में किसी की जवाबदेही सुनिश्चित ना होने पाने के कारण यह हर क्षेत्र पिछड़ापन का शिकार है। यदि बिहार के किसी भी क्षेत्र में थोड़ी बहुत प्रगति या सुधार दिख रही है तो उसका कारण कोई राजनेता या अधिकारी नहीं बल्कि उसका कारण एक ग्लोबल इंपैक्ट है। यदि बिहार के बच्चे सिविल सेवा परीक्षा में टॉप करते हैं तो इसका अर्थ है बिहार के युवाओं में सीखने की ललक और कर्मठता है । इसके अलावा वे अब खुद को दुनिया से डिजिटली कनेक्ट कर रहें है। वे दूसरे शहरों में जाकर सीखते हैं और खुद को परखते हुए खराब स्थितियों और परिस्थितियों के बावजूद कठिन से कठिन परीक्षा को पास जाते हैं। ये वे बच्चे हैं जिनके पास संसाधनों की निश्चित रूप से कमी हैं और ये ऐसे पृष्ठभूमि से आते हैं जिनके पास ना तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है और ना ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं । कमजोर आर्थिक और शैक्षिक पृष्ठभूमि के बावजूद इनमें भरपूर क्षमताए विद्यमान है। रोजी-रोटी, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बिहार के लोगों को अन्य राज्यों या फिर विदेशों का रुख करना पड़ता हैं। जो उनके आर्थिक स्थिति को और भी कमजोर करता है और शायद यह भी एक कारण है कि वे आर्थिक दुष्चक्र में फंस कर गरीब ही रह जाते हैं। वरना आजादी के 78 साल बाद भी बिहार ही क्यों भला इतना गरीब रहता?

हर गांव- प्रखंड में प्रखंड विकास अधिकारी से लेकर ग्राम - पंचायत अधिकारी मौजूद रहते है । शहरों में कलेक्टर , डिप्टी कलेक्टर से लेकर तमाम अधिकारियों की मौजूदगी होती है, बावजूद इसके अगर सरकारी अधिकारी चाहे तो जन सहभागीदारी बढ़ाकर बहुत सारे विकास कार्यों को अपने स्तर से पूरा करवा सकते हैं। परंतु इसके लिए विकास कार्यों के प्रति निष्ठा और रुचि होनी चाहिए। साथ ही सरकारी तंत्र स्वस्थ और प्रगतिशील होना चाहिए । लेकिन यहां सारे विकास कार्य और संस्थागत प्रगति लंबे समय से भ्रष्टाचार की भेट चढ़ी हुई है । यहां लालफीताशाही चरम पर है। जाति के नाम पर हो रही राजनीति ने बिहार को और भी गर्त में ढकेल दिया है। बिहार में अशिक्षा और गरीबी का फायदा उठाकर तकरीबन सभी शासन करने वाले राजनेताओं ने अपनी रोटियां सेंकी है । विकास और असल मुद्दे लगभग बिहार की राजनीति से गायब है, साथ ही ये मुद्दे यहां की मीडिया से भी नदारद है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी यहां कमजोरी का शिकार है।साथ ही देश भी इन सब मुद्दों पर मौन है । बिहार अभी भी चाणक्य जैसे गुरु की तलाश में है जो ना सिर्फ शासन व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर सके, बल्कि न्याय संगत संस्थागत ढांचा और विकास की गति को एक मज़बूत नियम - कानून से जोड़ सके।

बिहार सरकार एक बात से बहुत खुश होती है कि बिहार में गांव-गांव तक बिजली कनेक्शन पहुंच गया। लेकिन अगर आप भारत सरकार की ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट को देखें तो बिहार में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत अभी भी अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु से

कम है। बिहार में जब उद्योग ही नहीं है तो बिजली की खपत कहां तक सीमित रहेगी, यह आप खुद सोच सकते हैं। बिहार को आगे बढ़ाना है तो फिर से नालंदा को खड़ा करना होगा और उस गुरु की तलाश करनी होगी जो बिहार को पुनः उसका गौरव वापस कर सके। बिहार सरकार के शराबबंदी वाली पहल से बहुत राज्यों को सिखना चाहिए। लेकिन यहां शराबबंदी भी उस स्तर पर आर्थिक रूप से लोगों को संपन्न नहीं कर पाई जिसकी उम्मीद सरकार और जनता को थी। सरकार ने शराबबंदी तो की, किंतु विकल्प के रूप में रोजगार का अवसर प्रदान नहीं किया, इसलिए शराबबंदी से घर के झगड़े तो बंद हो गए, किंतु घर आर्थिक रूप से संपन्न ना हो सका , जिसका परिणाम यह हुआ कि घर के लोग गरीब रह गए और आगे आने वाली पीढ़ी भी गरीबी की दुष्टचक्र में फंसी रह गई। यहां शराबबंदी से अपराधबंदी ना हो सका । अभी भी अपराध के मामले में बिहार शीर्ष बना हुआ है।

बिहार में ब्रेन ड्रेन और पलायन की समस्या लगातार बनी हुई है । स्टार्टअप का कोई इकोसिस्टम बिहार में विकसित नहीं हो सका है । महिला उद्यमी योजना तो है मगर उद्योगों का कहीं भी अता - पता नहीं है। ऐसे में महिलाओं का कल्याण ना तो शराबबंदी से हो रहा है और ना ही महिला उद्यमी योजना से । बिहार की मूल समस्या गरीबी, बेरोज़गारी और अशिक्षा है, जिसके लिए सरकार के पास कोई ठोस उपाय नहीं है। बिहार विकास तो कर रहा है, परंतु केवल कागजों पर। बिहार में अच्छे बुद्धिजीवीयों और समाजशास्त्रियों का या तो पलायन हो रहा है या फिर यह उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पा रहा हैं जो उन्हें मिलना चाहिए। साथ ही एक और समस्या यह है कि जो लोग विकास कार्यों में रुचि ले रहे है या जो क्रियाशील युवा इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है उन्हें भी सरकार की तरफ से कोई सपोर्ट नहीं मिलता है। और तो और यहां सहकारिता का कोई भी मॉडल विकसित नहीं हो सका है । सामुदायिक भागीदारी अभी भी यहां ना के बराबर है । ऐसा नहीं है कि यहां के लोग विकास कार्यों में रुचि नहीं लेते, बल्कि यहां उचित दिशा - निर्देशों की कमी है साथ ही यहां सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार में संलिप्त है । यहां राजनीति व्यक्तिगत हितों और पैसों के लिए की जाती है । सामाजिक सरोकार से इन्हें कोई मतलब नहीं होता । यहां बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों तक में सरकार का भय व्याप्त है । और यही भय उन्हें उचित निर्णय लेने नहीं देता । और यहीं से शुरू होता है जनता और अधिकारियों का अलगाव तथा बिहार का पिछड़ना।

जीवन मंत्र

जीवन सिखाता है दुःख को सुख में बदलना हमारे हाथ में है

कई बार वही दुःख हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है और हमें अपने अंदर झांकने को प्रेरित करता है। वास्तव में, जो व्यक्ति अपने दुःखों से सीख लेता है, वही आगे चलकर जीवन का सच्चा विजेता बनता है।

जीवन हमें यह सिखाता है कि दुःख हर व्यक्ति के हिस्से में आता है। कोई भी इंसान ऐसा नहीं है जिसने कभी कठिनाइयाँ या पीड़ा न झेली हो। चाहे वह अमीर हो या गरीब, सफल हो या असफल, हर किसी के जीवन में किसी न किसी रूप में दुःख अवश्य आता है। लेकिन इन दुःखों से भागना समाधान नहीं है। यह तो जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है, जो हमें अनुभवों से परिपक्व बनाता है और आत्मबल प्रदान करता है।

जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं कि दुःख अपरिहार्य है, तब हम उसे समझदारी से झेलना सीखते हैं। दुःख हमें सिखाता है कि कैसे धैर्य रखना है, कैसे संघर्षों में स्थिर रहना है और कैसे छोटी-छोटी खुशियों की कीमत समझनी है। कई बार वही दुःख हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है और हमें अपने अंदर झांकने को प्रेरित करता है। वास्तव में, जो व्यक्ति अपने दुःखों से सीख लेता है, वही आगे चलकर जीवन का सच्चा विजेता बनता है।

मनुष्य के पास यह अद्भुत शक्ति

होती है कि वह परिस्थिति चाहे कैसी भी हो, अपने दृष्टिकोण को बदलकर उसमें सकारात्मकता खोज सकता है। दुःख को सुख में बदलने का अर्थ यह नहीं है कि वह दर्द मिट जाता है, बल्कि यह है कि हम उसके अर्थ को समझकर उससे कुछ अच्छा बना लेते हैं। जब हम हर कठिनाई को एक सीख के रूप में देखते हैं, तब वही दुःख हमारे विकास का कारण बन जाता है। जीवन में सुख और दुःख दोनों का संतुलन आवश्यक है। अगर केवल सुख ही होता, तो इंसान कभी मेहनत करना या आगे बढ़ना नहीं सीखता। दुःख हमें झकझोरता है, परंतु उसी झटके में हम अपनी असली ताकत पहचानते हैं। इसीलिए कहा गया है — "दुःख को सुख में बदलना हमारे हाथ में है।" यह बदलाव बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है।

अंततः, जीवन का सार यही है कि हम परिस्थिति नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण को नियंत्रित करें। जब मनुष्य अपनी सोच को सकारात्मक बना लेता है, तो सबसे बड़ा दुःख भी उसे तोड़ने के बजाय मजबूत बना देता है। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो दुःख कोई अभिशाप नहीं, बल्कि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक है — जो हमें सिखाता है कि सुख हमारे भीतर ही छिपा है।

जीवन ऊर्जा

जॉन कीट्स : जन्म- 31 अक्टूबर 1795 — जन्म

जब तक अनुभव न हो, कुछ भी वास्तविक नहीं लगता

जॉन कीट्स (31 अक्टूबर 1795 - 23 फरवरी 1821) लॉर्ड बायरन और पर्सी बिशे शेली के साथ रोमांटिक कवियों की दूसरी पीढ़ी के एक अंग्रेजी कवि थे। उनकी कविताएँ चार साल से भी कम समय तक प्रकाशित हुईं, जब 25 वर्ष की आयु में तपेदिक से उनकी मृत्यु हो गई। उनके जीवनकाल में उन्हें उदासीनता से प्राप्त किया गया था, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद उनकी प्रसिद्धि तेजी से बढ़ी। सदी के अंत तक, उन्हें अंग्रेजी साहित्य के कैनन में रखा गया था, जिसने प्री-राफेलाइट ब्रदरहुड के कई लेखकों को दृढ़ता से प्रभावित किया।

यह सत्य है कि कोई भी चीज़ तब तक वास्तविक नहीं लगती जब तक हम उसे स्वयं अनुभव नहीं करते। केवल सुनने, पढ़ने या देखने से किसी बात का पूरा अर्थ समझ में नहीं आता। अनुभव ही वह साधन है जो हमें किसी सत्य से जोड़ता है। जब हम किसी चीज़ को अपने जीवन में महसूस करते हैं, तभी वह हमारे भीतर स्थायी प्रभाव छोड़ती है। यही कारण है कि ज्ञान केवल पुस्तकों में सीमित नहीं रह सकता, उसे व्यवहार में उतारना आवश्यक है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति दुख के बारे में केवल किताबों में पढ़े, तो वह उसके दर्द को कभी नहीं समझ सकता। लेकिन जब वही व्यक्ति किसी कठिन परिस्थिति से गुजरता है, तब उसे सच्चे दुख का अनुभव

होता है। यही अनुभव उसे परिपक्व बनाता है, और वह दूसरों के दर्द को भी महसूस करने लगता है। अनुभव इंसान को न केवल समझदार बनाता है, बल्कि संवेदनशील भी करता है।

अनुभव का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह व्यक्ति के दृष्टिकोण को बदल देता है। जो बातें पहले केवल सैद्धांतिक लगती थीं, वे वास्तविक जीवन में अर्थपूर्ण बन जाती हैं। जैसे — ₹मेहनत का फल मीठा होता है₹ यह बात तब तक सिर्फ एक कहावत है जब तक हम खुद किसी लक्ष्य के लिए परिश्रम करके सफलता प्राप्त न करें। जब हम यह अनुभव करते हैं, तब यह कहावत हमारे जीवन का हिस्सा बन जाती है।

जीवन का हर अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाता है चाहे वह सुखद हो या दुखद। अच्छे अनुभव हमें आत्मविश्वास देते हैं, और बुरे अनुभव हमें मजबूत बनाते हैं। हर परिस्थिति, हर घटना में कोई न कोई शिक्षा छिपी होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

कार्य का विकासः निज हित से लोक हित तक

मनुष्य का जीवन कर्मों के ताने-बाने से निर्मित होता है। वही कर्म उसके चरित्र, सोच, और भाग्य का निर्माण करते हैं। जीवन में जो कुछ भी हम प्राप्त करते हैं—चाहे वह सफलता हो या असफलता, सम्मान हो या अपमान—वह हमारे कर्मों का ही परिणाम होता है। कर्म ही मनुष्य को महान बनाते हैं या साधारण बना देते हैं। परंतु हर कर्म का स्वरूप एक-सा नहीं होता। broadly कर्म दो प्रकार के होते हैं—सकाम कर्म और निष्काम कर्म। यही दोनों प्रकार मनुष्य की मानसिकता, दृष्टिकोण और जीवन की दिशा तय करते हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

सकाम कर्म वह है जिसमें व्यक्ति किसी कार्य को फल या परिणाम की आशा से करता है। वह अपने प्रयासों के बदले में कुछ पाने की अपेक्षा रखता है—धन, यश, पद, सुख या प्रतिष्ठा। ऐसे कर्म में प्रयत्न तो होता है, परंतु उसका आधार स्वार्थ होता है। सकाम कर्म करने वाला व्यक्ति अपने "मैं" के दायरे में सीमित रहता है। उसकी सफलता उसे अहंकार देती है और असफलता उसे निराश कर देती है। वह अपने कर्मों से बंधा रहता है, क्योंकि उसका मन सदैव परिणाम की चिंता में उलझा रहता है। इस प्रकार के कर्म से अस्थायी सुख तो मिल सकता है, लेकिन स्थायी संतोष नहीं। सकाम कर्म व्यक्ति को मोह, लोभ और आसक्ति की जंजीरों में बाँध देता है।

इसके विपरीत, निष्काम कर्म का भाव बहुत ऊँचा और पवित्र होता है। निष्काम कर्म वही है जिसमें व्यक्ति केवल अपने

कर्तव्य के प्रति समर्पित रहता है, न कि उसके फल के प्रति। वह यह नहीं सोचता कि उसे बदले में क्या मिलेगा, बल्कि वह यह सोचता है कि क्या करना उसका धर्म है। निष्काम कर्म का आधार सेवा, त्याग और समर्पण होता है। ऐसे कर्मी को असफलता कभी विचलित नहीं करती, क्योंकि उसका उद्देश्य परिणाम नहीं, बल्कि प्रयत्न की पवित्रता होती है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा है — "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" — अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल में नहीं। यही भाव निष्काम कर्म का सार है।

निष्काम कर्म व्यक्ति को आत्मिक शांति और आंतरिक सुख प्रदान करता है। जब कोई व्यक्ति स्वार्थ छोड़कर केवल सेवा की भावना से कार्य करता है, तो उसका हर कर्म एक पूजा बन जाता है। वह समाज में प्रेरणा का स्रोत बनता है। उसकी विनम्रता, निस्वार्थता और त्याग भाव दूसरों के लिए मार्गदर्शक बनते हैं। निष्काम कर्म व्यक्ति को न केवल आत्मिक रूप से सशक्त करता है, बल्कि वह समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाता है। ऐसा व्यक्ति सफलता या असफलता से नहीं, बल्कि अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदारी से पहचाना जाता है।

अंततः, जीवन की सबसे बड़ी साधना यही है कि हम सकाम से निष्काम की यात्रा करें। जब हम स्वार्थ से ऊपर उठकर लोकहित, मानवता और सेवा के मार्ग पर चलते हैं, तभी हमारा जीवन सार्थक बनता है। सकाम कर्म हमें बाहरी उपलब्धियाँ देता है, लेकिन निष्काम कर्म हमें आत्मिक ऊँचाई प्रदान करता है। यही यात्रा हमें "मैं" से "हम" तक ले जाती है, और यही परिवर्तन मनुष्य को सच्चा कर्मयोगी बनाता है।

अपने विचार

अगर मोदी जी झामा करना चाहते हैं,छठ पूजा का झामा करना चाहते हैं, तो पानी आएगा, वीडियो कैमरा आएगा। प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक मतदाताओं द्वारा कहने पर नाच भी सकते हैं।

-राहुल गांधी,नेता,विपक्ष

प्रधानमंत्री मोदी के छठ पर्व मनाने पर टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी ने पीएम का ही नहीं बल्कि छठी मैया के बिहार और पूर्वांचल में रहने वाले सभी भक्तों का भी अपमान किया। राहुल को इसका बहुत बड़ा खामियाजा बिहार चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

-अमित शाह,गृहमंत्री,भारत सरकार

अब जनता को मंत्री, सचिव, ठेकेदार, एग्जिक्यूटिव इंजीनियर सबकी डिटेल और उनके फोन नंबर मिलेंगे। मीडिया हमेशा मुझ पर क्यों आरोप लगाए और मेरी फोटो क्यों छापे? ठेकेदार और सचिव की फोटो भी छापो। जब लोगों को सबकी जानकारी मिलेगी, तो खराब काम करने वाले बेनकाब होंगे।

-नितिन गडकरी,केंद्रीय मंत्री,भारत सरकार

अमित शाह कहते हैं कि बिहार में जमीन की दिक्कत है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। मैंने ऐसा गृह मंत्री नहीं देखा जो खुद अपने बयान से बिहार के युवाओं का मनोबल तोड़ दे। असल में, एनडीए बिहार को कब्जाना चाहता है, विकास करना नहीं।

-तेजस्वी यादव,नेता आरजेडी

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई में बनेगा भूमिहार समाज का भवन

मुंबई। भूमिहार समाज ने मुंबई में एक भव्य भवन के निर्माण का निर्णय लिया है। इसके लिए समाज का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उपयुक्त भूखंड आवंटन की मांग करेगा। समाज का उद्देश्य शहर में एक स्थायी पहचान और गतिविधियों के केंद्र की स्थापना करना है। भूमिहार समाज के अध्यक्ष अनिल राय ने बताया कि यह भवन समाज के लिए एक साझा मंच के रूप में कार्य करेगा, जहां सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भवन से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे शिक्षा में आगे बढ़ सकें और समाज का गौरव बढ़ाएं। इस अवसर पर समाज के संस्थापक एडवोकेट आर. पी. सिंह, राजेंद्र चंद्रमा सिंह, आर. आर. सिंह, नारायणी सिंह, सतीश राय, सर्वेश राय, कैप्टन एस. के. राय, मनोज राय, आनंद राय, प्रमोद सिंह, तेज बहादुर राय और अनिल राय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने भवन निर्माण परियोजना की सराहना की और इसे समाज के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

उपवन क्षेत्र में 51 फुट ऊँची विट्ठल प्रतिमा स्थापित

ठाणे। ठाणे। तालाबों के शहर के रूप में प्रसिद्ध ठाणे में उपवन तालाब पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र है, जहां हर दिन सैकड़ों लोग सैर, दौड़ और व्यायाम के लिए पहुंचते हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की संकल्पना पर बने उपवन घाट को पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर नाम दिया गया है और यह क्षेत्र अब मुख्य आकर्षण बन गया है। ठाणे में बड़ी संख्या में रहने वाले वारकरी समुदाय की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यहां श्री विट्ठल की 51 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है, जो उपवन तालाब के आकर्षण और धार्मिक महत्व में इजाफा करती है। इस प्रतिमा का अनावरण 31 अक्टूबर, 2025 को शाम 7 बजे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच चलाएगी एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए बांद्रा टर्मिनस और जोधपुर के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसके साथ ही वलसाड–खातीपुरा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों को भी बढ़ा दिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, ट्रेन संख्या 04834 बांद्रा टर्मिनस–जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल 03 नवंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे बांद्रा टर्मिनस से रवाना होकर अगले दिन 11:25 बजे जोधपुर पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 04833 जोधपुर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 02 नवंबर 2025 को सुबह 06:45 बजे जोधपुर से चलकर अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, कोटा, जयपुर समेत कई स्टेशनों पर ठहरेगी और इसमें फर्स्ट एसी से लेकर जनरल क्लास तक के कोच उपलब्ध होंगे। वहीं, ट्रेन संख्या 09007 वलसाड–खातीपुरा स्पेशल के फेरों को 27 नवंबर 2025 तक और ट्रेन संख्या 09008 खातीपुरा–वलसाड स्पेशल के फेरों को 28 नवंबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

डीएफसीसीआईएल ने डीजल लोकोमोटिव द्वारा खींची गई मालगाड़ी का किया सफल ट्रायल रन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL) ने 29 अक्टूबर 2025 को एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। न्यू सफ़ाले (डीएफसीसीआईएल) डीएफसी च. 107.0 से भारतीय रेलवे के खरबाओ स्टेशन, डीएफसी च. 67.0 तक लगभग 40 किमी दूरी पर डीजल लोकोमोटिव द्वारा खींची गई मालगाड़ी का सफल ट्रायल रन किया गया। यह जेएनपीटी–वैतर्णा सेक्शन के DFCCIL ट्रैक पर पहली ट्रेन रन है, जिससे सेंट्रल रेलवे के साथ महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी स्थापित हुई है।

महत्वपूर्ण अधिकारियों की उपस्थिति

साइट पर मुख्य महाप्रबंधक विकास कुमार, समूह महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) एच. जी. तिवारी, महाप्रबंधक नवन कुमार सिंह, महाप्रबंधक (सिविल) संतोष कुमार झा, महाप्रबंधक (सिक्योरिटी) जितेंद्र श्रीवास्तव सहित DFCCIL, PMC और टाटा प्रोजेक्ट्स के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने ट्रायल के सफल शुभारंभ को नेटवर्क विस्तार की दिशा में अहम कदम बताया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दिखाई हरी झंडी

इस ट्रायल रन को वर्चुअली प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार और DFCCIL कॉर्पोरेट ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने इस उपलब्धि को DFCCIL के संचालन और रणनीतिक विस्तार के लिहाज से ऐतिहासिक करार दिया।

जेएनपीटी-खरबाओ सेक्शन पर तेज़ी से काम

खरबाओ से जेएनपीटी तक शेष खंड पर तेजी से कार्य जारी है। शिल फाटा आरओबी का डिस्मेंटलिंग पूरा हो चुका है और नए आरओबी को संचालन में लाया जा चुका है, जबकि कलंबोली आरएफओ का निर्माण कार्य प्रगति पर है। DFCCIL अधिकारियों के अनुसार राज्य सरकार के सहयोग से आवश्यक शेष निर्माण जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

भारतीय रेलवे के साथ मजबूत तालमेल

इस ट्रायल रन ने DFCCIL और भारतीय रेलवे के बीच मजबूत तालमेल को दर्शाया है। यह प्रयास राष्ट्र के लिए तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल माल ढुलाई नेटवर्क स्थापित करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। दोनों संस्थानों के सहयोग से रेल लॉजिस्टिक्स में नई गति आने की उम्मीद है।

'मेक इन इंडिया' को मिलेगा नया बल

जेएनपीटी–वैतर्णा खंड के पूरा होने पर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का सीधा संपर्क पूरे समर्पित माल ढुलाई गलियारे से हो जाएगा, जिससे माल ढुलाई निर्बाध होगी। इससे व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन दक्षता में सुधार होगा और 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती मिलेगी। साथ ही मुंबई क्षेत्र में सड़क और रेल नेटवर्क पर ट्रैफिक का भार भी कम होगा।

ब्यूटी विथ ब्रेन

महिला पुलिस कांस्टेबल ने क्रांति इंदे ने जीता ग्रेडिएंट मिस महाराष्ट्र 2025 का सम्मान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मेघवाड़ी पुलिस थाने में कार्यरत महिला पुलिस कांस्टेबल क्रांति लिंगप्पा इंदे (कुपाडे) ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए "मिस एंड मिसेज महाराष्ट्र 2025" प्रतियोगिता में "ग्रेडिएंट मिस महाराष्ट्र 2025" का सम्मानजनक खिताब जीता है। यह भव्य प्रतियोगिता अंधेरी स्थित एचवीपीएस बैंक्वेट हॉल में आयोजित हुई, जिसमें राज्य भर से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

अनुशासन और आत्मविश्वास से जीता मंच

प्रतियोगिता में क्रांति इंदे ने अपने आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रभावशाली व्यक्तित्व से सभी का दिल जीता। उनकी प्रतिभा और शालीनता को देखते हुए उन्हें "मिसेस ब्यूटी विद ब्रेन" की विशेष उपाधि से भी सम्मानित किया गया। अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रांति इंदे ने कहा कि पुलिस सेवा में अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा मेरी सबसे बड़ी ताकत है। यही गुण रैंप पर भी मेरा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। यह सम्मान उन सभी महिला पुलिस कर्मियों को समर्पित है, जो वर्दी पहनकर भी अपने सपनों को उड़ान देने का साहस रखती हैं।

मुंबई पुलिस गर्वित

क्रांति इंदे की इस उपलब्धि से मेघवाड़ी पुलिस थाने सहित पूरे मुंबई पुलिस बल में गर्व की लहर है। वर्दी के साथ ग्लैमर की दुनिया में अपनी अनूठी पहचान बनाकर उन्होंने साबित किया है कि कर्तव्य, आत्मविश्वास और सौंदर्य—तीनों का संगम सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकता है।

पश्चिम रेलवे मना रही है सतर्कता जागरूकता सप्ताह

मुंबई। पश्चिम रेलवे में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक "सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी" थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। साथ ही भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने में कर्मचारियों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। सप्ताह भर नैतिक आचरण और सुशासन से जुड़ी जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। 30 अक्टूबर 2025 को पश्चिम रेलवे के चर्चगेट मुख्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बॉम्बे हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश पृथ्वीराज के. चव्हाण उपस्थित रहे, जिन्होंने मुख्य संबोधन दिया और सतर्कता के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में पृथ्वीराज चव्हाण ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक प्रदीप कुमार और वरिष्ठ उप महाप्रबंधक कुलदीप कुमार जैन के साथ मिलकर "सतर्कता बुलेटिन - 2025" का विमोचन किया।

दूसरे जहाज के 'कील लेइंग' और पाँचवे जहाज के 'प्लेट कटिंग' समारोह का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के लिए 14 फास्ट पेट्रोल वेसल (FPV) श्रृंखला के निर्माण कार्य में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए दूसरे जहाज (Y-16502) के 'कील लेइंग' और पाँचवे जहाज (Y-16505) के 'प्लेट कटिंग' समारोह का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 को किया। बता दें कि इस श्रृंखला के दूसरे जहाज का उत्पादन कार्य 24 मार्च 2025 को प्रारंभ हुआ था।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समारोह संपन्न

इस मौके पर समारोह की अध्यक्षता आईजी एचपी सिंह, डीडीजी (टेक), सीजीडब्ल्यूएस ने की। कार्यक्रम में एमडीएल के कार्यकारी निदेशक (जहाज निर्माण) ए. विनोद सहित ICG, ABS, IRS तथा MDL के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह आयोजन तटरक्षक बल के लिए आधुनिक और तेज गति वाले पोतों के निर्माण की दिशा में एक अहम उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

परियोजना का उद्देश्य और तकनीकी क्षमताएँ

MDL और भारतीय तटरक्षक बल के बीच 1070 .47 करोड़ रुपये की लागत से 14 FPV जहाजों के डिजाइन, निर्माण और वितरण का अनुबंध हुआ है। आधुनिक तकनीक से लैस ये पोत वाटरजेट प्रोपल्शन और हाई-स्पीड डीज़ल इंजन से सुसज्जित होंगे, जो 33 नॉट से अधिक गति प्राप्त करेंगे। तटीय सुरक्षा, मत्स्य संरक्षण, खोज एवं बचाव अभियान, चिकित्सा निकासी, लॉजिस्टिक सहायता और आपात परिस्थितियों में नौसेना के समर्थन जैसे कार्यों के लिए इन जहाजों को डिजाइन किया गया है। आज का समारोह इस रणनीतिक परियोजना के सफल क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

भुसावल मंडल में उत्कृष्टता सम्मान समारोह का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भुसावल

भुसावल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2025 को उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने हेतु उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। रेलवे के वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल से अक्टूबर अवधि में विभाग द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों और राजस्व वृद्धि पर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति एवं धन्यवाद ज्ञापन

समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम. के. मीना, वरिष्ठ शाखा अधिकारी तथा वाणिज्य विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजय कुमार ने की, जबकि समापन पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक बी. बी. तपस्वी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह आयोजन कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत साबित हुआ, जिससे भविष्य में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिली।

कर्मचारियों के योगदान की सराहना

मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने संबोधन में वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों के अथक परिश्रम और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों के पीछे कर्मचारियों की टीम भावना और मेहनत का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर कुल 150 कर्मचारियों और 3 टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा भविष्य में भी इसी उत्कृष्ट कार्य को जारी रखने का आह्वान किया गया।

मध्य रेल में 'स्वच्छता पखवाड़ा-2025' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत मध्य रेल में 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा-2025' मनाया गया। इस पखवाड़े का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, कॉलोनियों, कार्यलयों, कारखानों, भोजनालयों और अस्पतालों सहित सभी परिसरों में स्वच्छता को बढ़ावा देना और इसे जनआंदोलन का रूप देना था। यह अभियान भारतीय रेल द्वारा देश के सभी जोनों व मंडलों में आयोजित राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान का हिस्सा है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ और जनजागरूकता

स्वच्छता संदेश को प्रसारित करने हेतु उपनगरीय लॉबी में गांधीजी की शिक्षाओं पर आधारित आकर्षक रंगोली बनाई गई। इसके अलावा, परेल वर्कशॉप की सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा "स्वच्छता ही सेवा है" विषय पर प्रेरक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसकी महाप्रबंधक ने प्रशंसा की। साथ ही 'वेस्ट-टू-आर्ट' प्रदर्शनी और विशेष गांधी सेल्फी प्वाइंट भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। अभियान के दौरान महाप्रबंधक ने ईएमयू रेक में नव निर्मित वरिष्ठ नागरिक कम्पार्टमेंट का भी निरीक्षण किया। सानपाडा कार शेड ने बॉम्बार्डियर ईएमयू रेक के एक लगेज कम्पार्टमेंट को वरिष्ठ नागरिकों के लिए परिवर्तित किया है, जबकि इससे पूर्व माटुंगा वर्कशॉप ने सीमेंस ईएमयू में ऐसा परिवर्तन किया था। "स्वच्छता पखवाड़ा-2025" की शुरुआत 1 अक्टूबर को मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी द्वारा ऐतिहासिक सीएसएमटी महाप्रबंधक भवन में अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई।

महाप्रबंधक ने संभाला स्वच्छता अभियान का नेतृत्व

मध्य रेल के महाप्रबंधक विजय कुमार ने 2 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने गांधीजी के भित्तिचित्रों और स्वच्छता संदेशों से सजी ईएमयू रेकों के साथ-साथ "स्वच्छता ही सेवा" संदेश युक्त एक इलेक्ट्रिक और एक डीज़ल लोको का निरीक्षण किया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृष यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे।

मिथुन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे।

कर्क आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

कन्या प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

तुला आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है।

मकर दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

कुंभ नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

जन्म विवरण के बिना जानिए अपना भविष्य: हथेलियों में छिपा जीवन का रहस्य

प्रियंका जैन
9769994439

मनुष्य के जीवन का हर रहस्य उसके अपने हाथों में छिपा होता है। कई लोगों के पास जन्म तिथि, समय या स्थान का विवरण नहीं होता, जिससे उनका कुंडली विश्लेषण कठिन हो जाता है। लेकिन प्राचीन हस्तरेखा विज्ञान बताता है कि हमारे हाथ की रेखाओं में ही हमारे भाग्य, स्वास्थ्य, विचार, सुख-दुख, और यहां तक कि मृत्यु तक के संकेत अंकित होते हैं। इन रेखाओं को देखकर अनुभवी हस्तरेखा विशेषज्ञ व्यक्ति का पूरा भविष्य बता सकते हैं।

हथेली में मुख्य रूप से तीन प्रमुख रेखाएं होती हैं — जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और हृदय रेखा। ये तीनों रेखाएं मिलकर इंसान के जीवन की दिशा और दशा का निर्धारण करती हैं।

यदि किसी व्यक्ति की जीवन रेखा लंबी, गहरी, पतली और स्पष्ट है, तो यह दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य का संकेत देती है। लेकिन यदि इसी रेखा पर क्रॉस का निशान है तो यह जीवन में आने वाली कठिनाइयों या असफलताओं का प्रतीक माना जाता है।

यदि जीवन रेखा और मस्तिष्क रेखा एक साथ प्रारंभ होकर थोड़ी दूरी पर अलग हों, तो व्यक्ति स्वतंत्र विचारों वाला और आत्मविश्वासी होता है। वहीं यदि इन दोनों रेखाओं में अधिक अंतर है, तो यह व्यक्ति के जल्दबाज या बिना सोच-विचार के कार्य करने के स्वभाव की ओर संकेत करता है।

जब जीवन रेखा टूटी हुई हो, विशेषकर बाएं हाथ में, तो यह बीमारी या मानसिक संकट का संकेत देती है, लेकिन यदि दाएं हाथ की जीवन रेखा साफ और दृढ़ है, तो व्यक्ति उस संकट से बाहर निकल आता है। परंतु यदि दोनों हाथों में यह रेखा टूटी हो, तो यह मृत्यु तक का संकेत भी हो सकता है।

यदि जीवन रेखा श्रृंखलाकार या टुकड़ों में बंटी हुई हो, तो यह शरीर की दुर्बलता और स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इंगित करती है। जब यह दोष समाप्त हो जाते हैं, तो व्यक्ति का जीवन पुनः सामान्य हो जाता है।

यदि जीवन रेखा से कोई शाखा गुरु पर्वत (तर्जनी के नीचे का भाग) की ओर उठती हो, तो यह व्यक्ति को उच्च पद, सम्मान और सफलता की प्राप्ति का संकेत देती है। वहीं यदि कोई शाखा शनि पर्वत (मध्यमा के नीचे) की ओर जाती है और भाग्य रेखा के समानांतर चलती है, तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति को धन, संपत्ति और सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा। यदि जीवन रेखा, हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा तीनों प्रारंभ में एक साथ मिली हों, तो यह अशुभ माना जाता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन में परेशानियों, संघर्षों और मानसिक तनावों से घिरा रह सकता है।

जब जीवन रेखा को कई छोटी रेखाएं नीचे की ओर काटती हों, तो यह जीवन की परेशानियों को दर्शाती हैं। लेकिन यदि वही रेखाएं ऊपर की ओर जाती हों, तो यह सफलता और तरक्की के संकेत देती हैं।

यदि जीवन रेखा गुरु पर्वत से प्रारंभ होती है, तो यह व्यक्ति की महत्वाकांक्षा और उच्च आकांक्षाओं को दर्शाती है। ऐसे व्यक्ति अपने लक्ष्यों को पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यदि जीवन रेखा शुक्र पर्वत की ओर भीतर मुड़ जाए, तो यह बड़े संकट या जीवन में गंभीर कष्टों का संकेत होती है। वहीं यदि जीवन रेखा अंत में दो भागों में बंट जाए, तो यह दर्शाती है कि व्यक्ति की मृत्यु अपने जन्मस्थान से दूर होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 4.5 करोड़ की ठगी,तीन को बनाया शिकार

गौतमबुद्ध नगर। थाना नोएडा के सेक्टर 50 में रहने वाली एक महिला से शेयर ट्रेडिंग में इनवेस्ट कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 3.5 करोड रूपए की ठगी होने का मामला सामने आया। इसी तरह दो अन्य मामलों में भी एक करोड़ से अधिक की ठगी का केस दर्ज किया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर 50 में रहने वाली महिला अर्पिता तिवारी की शिकायत के अनुसार साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर उससे विभिन्न बैंक खातों में 3.5 करोड रूपए डलवा लिया। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पीड़िता से दूरभाष पर बात हुई हुई है। वह काफी घबराई हुई है। पुलिस इस मामले की जांच करेगी। एसीपी गोयल ने बताया कि एक अन्य मामले में सेक्टर 59 स्थित एक कंपनी में फाइनेंस मैनेजर धीरज जोशी पुत्र पूरनचंद जोशी को धोखा देकर एक फर्जी मेल के जरिए साइबर अपराधियों ने 78 लाख रुपया ट्रांसफर कर लिया। एक अन्य मामले में रईस अहमद ने भी बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 5 अगस्त को उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया। उसने शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने का झांसा दिया और वे उसकी बातों में आ गए और उसके बताए गए खाते में 42 लाख 78 हजार रूपए ट्रांसफर कर दिया।

25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की चौदह कोसी परिक्रमा

अयोध्या। रामनगरी की पवित्र धरती पर मंगलवार रात से ही भक्ति का महासागर उमड़ पड़ा। भारी बारिश भी श्रद्धालुओं के कदम नहीं रोक सकी — हर कोई प्रभु श्रीराम के जयघोष के साथ चौदह कोसी परिक्रमा में शामिल हुआ। लगभग 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 42 किलोमीटर की परिधि वाली इस पावन परिक्रमा को पूरा किया, जिसे सात जन्मों का पुण्य प्रदान करने वाली मानी जाती है। भक्तों का कहना था — "बारिश नहीं, यह तो राम की परीक्षा है, और हम सब उसमें पास हो गए हैं।"गुरुवार की भोर में 4:40 बजे परिक्रमा का मुहूर्त था, लेकिन भक्तों ने इससे पहले ही यात्रा शुरू कर दी। पूरी रात चौदह कोसी मार्ग पर मेले जैसा माहौल रहा — हर दिशा से आती भजन धुनों और जयघोषों से रामनगरी गूंज उठी। मार्ग पर बालू बिछाकर परिक्रमार्थियों के लिए रास्ता सुगम बनाया गया था, ताकि नंगे पांव चलने वालों को कठिनाई न हो। मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर लगातार मार्गों पर भ्रमण करते रहे। हर कोने पर पुलिस, PAC और स्वयंसेवी संगठन तैनात रहे।

विकास की दिशा और राजनीतिक रणनीतियाँ

पटना। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियाँ अपने चरम पर हैं। अक्टूबर 2025 तक एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अपनी रणनीतियाँ स्पष्ट कर दी हैं, जिनका केंद्र विकास और रोज़गार को बनाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन ने इस बार "बिहार 3.0" का नारा दिया है, जिसके तहत राज्य को उद्योग, आधारभूत ढाँचे और डिजिटल विकास के मार्ग पर आगे ले जाने का वादा किया गया है। सरकार का दावा है कि 2023 से 2025 के बीच बिहार में 1.2 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण या पुनर्निर्माण हुआ है और अब बिजली की उपलब्धता 98% तक पहुँच चुकी है।

वाडिया बंधुओं ने हड़पी 80 करोड़ की जमीन, 30 नामजद

एजेंसी | नोएडा

नोएडा में रियल एस्टेट और भूमाफिया से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है। सलारपुर गांव की करीब 80 करोड़ रूपए मूल्य की 14 बीघा जमीन को फर्जी कागजातों के जरिए हड़पने के आरोप में शराब कारोबारी वाडिया बंधुओं समेत 30 लोगों के खिलाफ सेक्टर-49 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर की गई है। शिकायतकर्ता गोरखपुर निवासी 80 वर्षीय पवन जिंदल का आरोप है कि उनकी जमीन की फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी, जाली आदेश और दस्तावेज बनाकर अवैध रजिस्ट्री करा दी गई। पुलिस आयुक्तालय ने बताया कि मामले की जांच भूमि विवाद प्रकोष्ठ और आर्थिक अपराध शाखा (EOW) को सौंपी गई है।

30 आरोपियों में वाडिया बंधु

मुकदमे में नामजद आरोपियों में अनिल वाडिया, अशोक वाडिया, जयभगवान चौहान, सुरेश कुमार गोयल, डॉ. जगमोहन गोयल, सुभाष चंद, सतीश मदान, रंजन गुप्ता, सौरभ मित्तल, अलका गुप्ता, कलीम, राहुल कसाना समेत 30 लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का नेटवर्क चंडीगढ़, पटियाला, दिल्ली, शामली, गाजियाबाद और नोएडा तक फैला हुआ है।

अदालत के आदेश पर दर्ज हुई FIR

पुलिस आयुक्तालय गौतमबुद्ध नगर के मीडिया प्रभारी के अनुसार, 1985 में खरीदी गई जमीन पर 2016 में कुछ लोगों ने फर्जी आदेश दिखाकर म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) करा लिया। बाद में जब शिकायतकर्ता ने RTI से जानकारी मांगी, तो पता चला कि जिस आदेश का हवाला दिया गया, वह रिकॉर्ड में मौजूद ही नहीं है। 2017 में तहसीलदार ने यह म्यूटेशन रद्द कर दिया, लेकिन तब तक जमीन की फर्जी रजिस्ट्री हो चुकी थी।

फर्जी अंगूठे के निशान से खुला मामला

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने जिंदल के नाम से फर्जी मुख्तयारनामा तैयार कराया और किसी अन्य व्यक्ति को रजिस्ट्री दफ्तर में उनका प्रतिनिधि बनाकर पेश किया। अदालत में वास्तविक और फर्जी अंगूठों के निशान की जांच के बाद जालसाजी की पुष्टि हुई।

जौनपुर में धर्मांतरण का पर्दाफाश बाइबिल और प्रचार सामग्री बरामद

एजेंसी | जौनपुर

उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण के मामलों पर सख्ती के बावजूद कुछ लोग अब भी गुपचुप तरीके से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसी क्रम में जौनपुर जिले के केराकत थाना क्षेत्र के सरकी गांव से पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में एक महिला, उसकी बेटी और दो युवकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

घर में चल रही थी प्रार्थना सभा

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सरकी गांव की एक महिला अपने घर में धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां चला रही है। सूचना के बाद थाना केराकत की पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा और चारों आरोपियों — गीता देवी, उनकी बेटी रंजना कुमारी, सोनू और विजय कुमार — को गिरफ्तार कर लिया।

घर से मिली धार्मिक सामग्री, दस्तावेज

पुलिस को मौके से ईसा मसीह की तस्वीरें, बाइबिल की कई प्रतियां, ईसाई भजनों की पुस्तकें और मोबाइल फोन व टैबलेट में धर्मांतरण से जुड़ी फोटो, चैट और वीडियो मिले। पुलिस के अनुसार, रंजना कुमारी के पास से चार रजिस्टर भी बरामद हुए, जिनमें ईसाई धर्म से संबंधित प्रवचन और भजन लिखे गए थे। पूछताछ में गीता देवी ने स्वीकार किया कि वह पिछले पांच साल से भुवंडी निवासी दुर्गा प्रसाद यादव और उनकी पुत्री प्रीति के संपर्क में थी, जिनसे प्रेरित होकर वह दूसरों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रोत्साहित करने लगी थी।

इतिहास तभी जीवंत रहेगा, जब क्षेत्र बोलेगा: डॉ. दिवाकर

एजेंसी | देवरिया

"इतिहास का अर्थ केवल साम्राज्यों की गाथा नहीं, बल्कि हर क्षेत्र की अपनी पहचान का लेखा है।" इसी विचार को रेखांकित करते हुए दीनानाथ पांडेय राजकीय महिला महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्राचार्य डॉ. दिवाकर तिवारी ने कहा कि इतिहास लेखन में अक्सर क्षेत्रीय इतिहास की उपेक्षा की जाती है, जबकि यही स्थानीय प्रसंग हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करते हैं। वे गुरुवार को रुद्रपुर स्थित श्रीरामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित पुस्तक लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी यशवंत राव की पुस्तक 'हंस तीर्थ : रुद्रपुर–देवरिया' का लोकार्पण किया गया।

डॉ. दिवाकर ने कहा कि यशवंत राव ने अपनी इस पुस्तक समेत आठों कृतियों में रुद्रपुर और आसपास के क्षेत्रीय इतिहास को तथ्यपूर्ण और सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है, जो इतिहासकारों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अधिष्ठाता डॉ. रजवंत राव ने कहा कि पुस्तक लेखन एक कठिन और जिम्मेदारी भरा कार्य है।

राजधानी में जहाज के आकार में बनेगा 'नौसेना शौर्य संग्रहालय'

एजेंसी | नोएडा

सूबे की राजधानी लखनऊ में देश का पहला 'नौसेना शौर्य संग्रहालय' जहाज के आकार में बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना की समीक्षा बैठक में प्रस्तुति देखकर इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य वीरता और भारत की समुद्री सभ्यता की गौरवगाथा का प्रतीक बनेगा।

समुद्री आत्मा का प्रतीक बनेगा यह संग्रहालय

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह संग्रहालय भारत की समुद्री परंपरा और सभ्यता की आत्मा को जन-जन तक पहुंचाएगा। उन्होंने इसे "देखने योग्य नहीं, बल्कि अनुभव का केंद्र" बनाने पर बल दिया। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान देगी और युवाओं में देशभक्ति व वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करेगी।

जहाज जैसी डिजाइन, 7D थिएटर का होगा अनुभव

यह संग्रहालय जहाज की आकृति में तैयार होगा, जिसमें थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, ओपन एयर मेमोरियल, लाइट-एंड-साउंड एरिना और 7D थिएटर जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। डिजाइन को ऊर्जा-संवेदनशील और हरित तकनीक आधारित बनाया जा रहा है। साथ ही, दर्शकों के लिए इंटरएक्टिव और इमर्सिव अनुभव की व्यवस्था होगी, ताकि वे नौसेना के युद्ध, तकनीकी नवाचार और अभियानों को महसूस कर सकें। संग्रहालय में आईएनएस गोमती (F-21) — एक स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट, जिसने भारतीय नौसेना में 34 वर्षों तक सेवा दी — को संरक्षित कर प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा 'नौसेना शौर्य वाटिका' में टीयू-142 विमान और सी किंग एसके-42बी हेलीकॉप्टर भी स्थापित होंगे, जिन्होंने समुद्री निगरानी और राहत अभियानों में भाग लिया था।

40 लाख के लिए कातिल बनी मां हाईवे पर फेंका जवान बेटे का शव

एजेंसी | कानपुर देहात

ममता के रिश्ते को कलंकित करने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे जिले को सन्न कर दिया। यहां एक माँ ने बीमा के 40 लाख रूपए पाने की लालच में अपने गैंगस्टर प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही जवान बेटे की हत्या करा दी। साजिश इतनी गहरी थी कि घटना को सड़क हादसा दिखाने के लिए बेटे का शव हाईवे पर फेंक दिया गया। पुलिस जांच में जब राज़ खुला तो सामने आया कि ममता देवी (47) ने अपने प्रेमी और उसके भाई के साथ मिलकर बेटे प्रदीप शर्मा (25) की हत्या कराई। प्रदीप आंध्र प्रदेश में नौकरी करता था और दिवाली मनाने घर आया था।

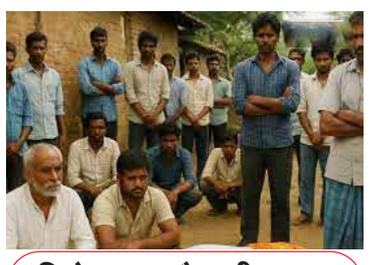

विरोध बना मौत की वजह

पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया कि ममता के गांव के एक गैंगस्टर से प्रेम संबंध थे, जिसका बेटा विरोध करता था। इसी विरोध और बीमा की रकम के लालच में ममता ने बेटे को रास्ते से हटाने की साजिश रची।बिरौर थाना पुलिस ने ममता, उसके प्रेमी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में ममता ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि पति की मौत के बाद वह अकेली रह गई थी, लेकिन बेटे का विरोध उसे नागवार गुजरा। बीमा की राशि पाने के लिए उसने 'माँ' के रिश्ते को कलंकित कर दिया।

नाले में मिली नवजात यूपी 112 ने बचाई जान

एजेंसी | अमेठी

किसी ने बच्ची के साथ हैवानियत दिखाई तो यूपी पुलिस ने इंसानियत दिखाकर जान बचाते हुए बेटी बचाओ का बड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां मानवता की मिसाल पेश करते हुए यूपी 112 पुलिस की पीआरवी टीम ने एक नवजात बच्ची की अस्पताल पहुंचाते हुए जान बचाई है। चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव और अमेठी पुलिस कार्यालय ने गुरूवार को बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 5:53 बजे यूपी 112 कंट्रोल रूम को श्रीकृष्ण नाम के कॉलर ने सूचना दी कि किसी व्यक्ति ने नवजात बच्ची को नाले में फेंक दिया है। सूचना मिलते ही पीआरवी 5341 तत्काल मौके पर पहुंची। वहां पहुंचकर टीम ने देखा कि नाले में एक नवजात बच्ची जीवित अवस्था में हिल-डुल रही है। पीआरवी कर्मियों ने बिना देर किए बच्ची को नाले से बाहर निकाला और मौके पर मौजूद एक महिला की मदद से एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फुरसतगंज भेजा। बच्ची की स्थिति सामान्य है। ग्रामीणों ने पीआरवी 5341 टीम की सराहना की और पुलिस कर्मियों का धन्यवाद जताया।

व्यापार जगत

मार्केट रिपोर्ट

सोना-चांदी के वायदा में विपरीत रुख

सोना वायदा 304 रूपए नरम, चांदी वायदा 563 रूपए तेज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर बुधवार को कुल 3,60,322.62 करोड़ रूपए का कारोबार दर्ज हुआ। इसमें कमोडिटी वायदा कारोबार का टर्नओवर 39,417.46 करोड़ रूपए और कमोडिटी ऑप्शंस में 3,20,900.7 करोड़ रूपए का नॉशनल टर्नओवर शामिल रहा। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 28,334 पॉइंट के स्तर पर ट्रेड हुआ।

सोना वायदा 304 रूपए गिरा, 120,362 रूपए प्रति 10 ग्राम पर बंद

कीमती धातुओं में आज सोने के वायदों में कमजोरी देखने को मिली। एमसीएक्स गोल्ड दिसंबर वायदा 1,19,125 रूपए पर खुला और सत्र के दौरान 1,18,665 रूपए के निचले स्तर तक गया। पिछले बंद 1,20,666 रूपए के मुकाबले सोना 304 रूपए या 0.25% फिसलकर 1,20,362 रूपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, गोल्ड-मिनी नवंबर वायदा 174 रूपए या 0.15% गिरकर 1,19,250 रूपए पर पहुंचा।

गोल्ड-गिनी में तेजी, गोल्ड-पेटल और गोल्ड-टेन में गिरावट

गोल्ड-गिनी अक्टूबर वायदा में 273 रूपए या 0.28% की तेजी रही और यह 97,543 रूपए प्रति 8 ग्राम पर बंद हुआ। इसके विपरीत गोल्ड-पेटल अक्टूबर वायदा 0.5% गिरकर 12,147 रूपए प्रति ग्राम और गोल्ड-टेन अक्टूबर वायदा 1,036 रूपए या 0.86% टूटकर 1,19,500 रूपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा।

चांदी वायदा में तेजी, 563 रूपए चढ़ी

चांदी के वायदा कारोबार में मजबूती दिखी। चांदी दिसंबर वायदा 1,45,498 रूपए पर खुला और सत्र के अंत में 563 रूपए या 0.39% की बढ़त के साथ 1,46,644 रूपए प्रति किलो पर पहुंच गया। चांदी-मिनी नवंबर वायदा 698 रूपए या 0.47% चढ़कर 1,48,929 रूपए प्रति किलो, जबकि चांदी-माइक्रो नवंबर वायदा 729 रूपए या 0.49% बढ़कर 1,49,009 रूपए प्रति किलो पर रहा।

मेटल सेगमेंट में हल्की चाल, तांबा कमजोर

मेटल वर्ग में कुल 2,350.74 करोड़ रूपए का कारोबार हुआ। तांबा अक्टूबर वायदा 1.35 रूपए या 0.13% गिरकर 1,011.5 रूपए प्रति किलो पर आया। जस्ता अक्टूबर वायदा 0.11% बढ़कर 307 रूपए प्रति किलो, एल्यूमीनियम अक्टूबर वायदा 0.17% बढ़कर 268.5 रूपए , जबकि सीसा नवंबर वायदा 0.3% की तेजी के साथ 183.45 रूपए प्रति किलो पर पहुंचा।

क्रूड ऑयल फिसला, नैचुरल गैस स्थिर रही

एनर्जी सेगमेंट में कुल 3,164.44 करोड़ रूपए के सौदे दर्ज हुए। क्रूड ऑयल नवंबर वायदा 29 रूपए या 0.54% गिरकर 5,343 रूपए प्रति बैरल पर आ गया। क्रूड-मिनी नवंबर वायदा भी 30 रूपए या 0.56% गिरकर 5,346 रूपए प्रति बैरल रहा। नैचुरल गैस नवंबर वायदा बिना बदलाव के 338.7 रूपए प्रति MMBTU पर कारोबार करता रहा।

कैंसर डिटेक्शन के लिए अपोलो की 'चेक-ओलेट' मुहिम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

30 अक्टूबर 2025 स्तन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर अपोलो कैंसर सेंटर्स ने एक बेहद अनोखी और संवेदनशील पहल 'चेक-ओलेट' की शुरुआत की है। यह अभियान स्वास्थ्य जागरूकता को एक मीठे और भावनात्मक संदेश के साथ जोड़ता है—अपने लिए एक पल निकालें। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को डार्क चॉकलेट की पट्टी उपहार में दी जाती है, साथ ही उन्हें याद दिलाया जाता है कि नियमित स्तन आत्म-परीक्षा स्वास्थ्य की ओर उठाया जाने वाला पहला, महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में स्तन कैंसर की चिंताजनक स्थिति

ग्लोबोकैन रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे अधिक मृत्यु का कारण है। देश में कुल नए कैंसर मामलों में से 13.5% स्तन कैंसर के होते हैं, जबकि कैंसर से होने वाली कुल मौतों में इसका प्रतिशत 10.6% है। इसके बावजूद 30–69 आयु वर्ग की केवल 1.6% महिलाओं ने ही कभी स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग करवाई है (NCBI डेटा)। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जागरूकता, रोकथाम और नियमित जांच की दिशा में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। ऐसे में 'चेक-ओलेट' का उद्देश्य महिलाओं को स्वयं-देखभाल के प्रति प्रेरित करना और मासिक स्तन आत्म-परीक्षा को उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनाना है।

'आत्म-देखभाल शक्ति है'

अपोलो हॉस्पिटल्स की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीथा रेड्डी ने कहा, जब महिलाएं स्वस्थ होती हैं, राष्ट्र प्रगति करता है। महिलाओं का स्वास्थ्य परिवारों और समाज की नींव है। यदि हम महिलाओं के स्वास्थ्य अंतर को कम करें, तो 2040 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रति वर्ष लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर का लाभ हो सकता है। 'चेक-ओलेट' एक संदेश है कि आत्म-देखभाल कोई विलासिता नहीं, बल्कि महिला की शक्ति है जो एक मजबूत भारत की नींव रखती है।

'चॉकलेट और जागरूकता का संवेदनशील मेल'

अभिनेत्री-लेखिका टिस्का चोपड़ा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा,हर कोई चॉकलेट पसंद करता है। 'चेक-ओलेट' इस पसंद को एक प्यारे और सशक्त संदेश में बदल देता है अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। यह जागरूकता को कार्रवाई में बदलने का सुंदर तरीका है। एनसीबीआई के अनुसार, डार्क चॉकलेट में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनॉइड होते हैं, जो सूजन कम करने, हृदय स्वास्थ्य सुधारने और मूड बेहतर करने में मदद करते हैं। इस अभियान की हर चॉकलेट पर एक QR कोड दिया गया है, जिसे स्कैन करने पर स्तन आत्म-परीक्षा की चरण-बद्ध वीडियो गाइड खुलती है। 'चेक-ओलेट' सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो आत्म-देखभाल को महिलाओं के जीवन का सहज और आवश्यक हिस्सा बनाने का संदेश देता है, ताकि स्वास्थ्य जागरूकता एक आदत में बदल सके।

जियो यूज़र्स को 18 महीनों तक मिलेगा गूगल एआई प्रो का मुफ्त एक्सेस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (RIL) और गूगल ने मिलकर भारत की आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) क्रांति को तेज़ी देने के लिए एक बड़ी रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत जियो यूज़र्स को 18 महीनों तक Google AI Pro का मुफ्त एक्सेस मिलेगा। इसकी कीमत करीब 35,100 प्रति यूज़र है, जिसे कंपनी अपने 5G ग्राहकों को निशुल्क उपलब्ध कराएगी।

Google AI Pro की प्रीमियम सुविधाएँ अब जियो यूज़र्स के लिए फ्री

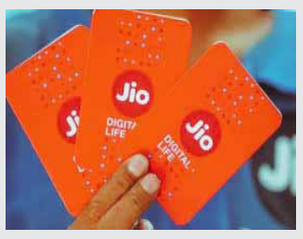

इस ऑफर में यूज़र्स को Google Gemini 2.5 Pro, लेटेस्ट Nano Banana, Veo 3.1 जैसे एडवांस AI मॉडल्स का एक्सपेंडिड एक्सेस मिलेगा। साथ ही 2 TB क्लाउड स्टोरेज और Notebook LM के बढ़े हुए एक्सेस जैसी प्रीमियम सेवाएँ भी शामिल हैं। इससे यूज़र्स को उच्च गुणवत्ता वाली इमेज, वीडियो और रिसर्च आधारित कंटेंट तैयार करने में मदद मिलेगी। रिलायंस ने बताया कि इस सुविधा को पहले चरण में 18 से 25 वर्ष की उम्र के जियो यूज़र्स के लिए शुरू किया जाएगा। बाद में इसे सभी ग्राहकों तक विस्तारित किया जाएगा।

शादी सीजन: बजेगी 6.5 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था की शहनाई!

एजेंसी | दिल्ली

भारत की "वेडिंग इकॉनमी" इस साल नए शिखर छूने को तैयार है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, आगामी शादी सीजन (1 नवंबर से 14 दिसंबर 2025) के दौरान देशभर में करीब 46 लाख शादियां होने जा रही हैं, जिनसे 6.50 लाख करोड़ रूपए का कारोबार होने का अनुमान है। दिल्ली अकेले ही 4.8 लाख शादियों से 1.8 लाख करोड़ रूपए का व्यापार करेगी — यानी शादी सीजन 2025 भारतीय बाज़ारों के लिए "गोल्डन विंडो" साबित हो सकता है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी (सीआरटीडीएस) द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि भारत की शादी अर्थव्यवस्था अब परंपरा और आधुनिकता का संगम बन चुकी है। यह रुझान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल" अभियान को भी बल दे रहा है, क्योंकि अब 70% से अधिक शादी-संबंधी उत्पाद भारतीय निर्मित हैं।

अब तय होगा असली 'कबड्डी सम्राट' कौन

PKL 12 का महामुकाबला: दबंग दिल्ली बनाम पुनेरी पलटन

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रो. कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का रोमांचक फाइनल शुक्रवार को दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली केसी और पुनेरी पलटन ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला सिर्फ खिताब का नहीं, बल्कि इस सीजन की सबसे स्थिर, संतुलित और अनुशासित टीमों के बीच "अंतिम जंग" का प्रतीक होगा। दोनों टीमों के कोचों ने अपने खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट, एकता और अनुशासन को सफलता की असली कुंजी बताया है। अब देखना यह होगा कि फाइनल की आखिरी सीटी किस टीम के जश्न के साथ बजेगी — दिल्ली के दबंगों की या पुणे के पलटनों की।

सीजन आठ की विजेता है दबंग दिल्ली

सीजन 8 की विजेता दबंग दिल्ली, कप्तान आशु मलिक और कोच जोगिंदर नरवाल के नेतृत्व में लगातार मजबूती दिखा रही है। क्वालिफायर-1 में उन्होंने पुणे को 6-4 के टाईब्रेकर में मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, पुनेरी पलटन ने कप्तान अस्लम इनामदार और कोच अजय ठाकुर की रणनीति से क्वालिफायर-2 में तेलुगू टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया।

दिल्ली-पुणे में तीन दफा हो चुकी है भिड़ंत

दिल्ली और पुणे इस सीजन तीन बार भिड़ चुके हैं—और तीनों बार मुकाबला टाई रहा। इससे साफ है कि फाइनल मुकाबला पूरी तरह कांटे का होगा। दिल्ली को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा, जहां फज़ल अत्राचली, सौरभ नंदल और आशु मलिक जैसे अनुभवी खिलाड़ी अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं, पुणे की ताकत उसकी संगठित डिफेंस लाइन और युवा रेडर्स आदित्य शिंदे और अस्लम इनामदार का संयोजन है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अभिषेक नायर को सौंपी कमान, बने मुख्य कोच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चैंपियन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जिन्होंने पिछले तीन सीजन तक टीम की कमान संभाली थी, जिनमें 2024 का खिताबी अभियान भी शामिल था। केकेआर ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा की। नायर, जो पिछले पांच वर्षों से केकेआर के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रहे हैं, को उनके खिलाड़ी-केंद्रित और आधुनिक कोचिंग दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। वे भारतीय टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भी काम कर चुके हैं और रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और के.एल. राहुल जैसे खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभा चुके हैं। फ्रेंचाइजी ने नायर की नियुक्ति को "नई सोच और टीम भावना का मिश्रण" बताते हुए विश्वास जताया है कि वे टीम को एक और खिताबी दिशा देंगे। नायर अब मेंटर ड्वेन ब्रावो के साथ कोचिंग स्टाफ का नेतृत्व करेंगे। इस बीच, पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण के लखनऊ सुपरजायंट्स से जुड़ने के बाद, केकेआर नए गेंदबाजी कोच की तलाश में है।

वनडे विश्वकप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने रचा इतिहास, पहली बार फाइनल में बनाई जगह

लौरा की शतकीय पारी और कैप की गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड पस्त

एजेंसी । गुवाहाटी

महिला क्रिकेट इतिहास में दक्षिण अफ्रीका ने नया अध्याय लिख दिया है। एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में प्रोटियाज टीम ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट की रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाजी और मारिजैन कैप की आग उगलती गेंदबाजी ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

कप्तान वोल्वार्ड्ट की शतकीय पारी ने मजबूत की नींव

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने एकलव्य की तरह ध्यान लगाकर खेलते हुए 169 रन की पारी खेली। यह उनके वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला था। उन्होंने ताजमिन ब्रित्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट लेकर थोड़ी वापसी दिलाई, लेकिन तब तक दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था।

पुराने जख्मों पर मरहम, नये इतिहास की शुरुआत

पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में जहां इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था, वहीं इस बार प्रोटियाज ने सभी हिसाब चुकता कर दिया। वोल्वार्ड्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बना दिया।

कैप की गेंदबाजी से इंग्लैंड की उम्मीदें चकनाचूर

320 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत मानो किसी बुरे सपने जैसी रही। टीम ने सिर्फ 1 रन पर 3 विकेट खो दिए। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को चलता किया, जबकि अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। हालांकि, कप्तान नताली सिवर-ब्रंट (64) और ऐलिस कैप्सी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन जोड़े, मगर कैप के 7 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लेने वाले स्पेल ने इंग्लैंड को 42.3 ओवर में 194 रन पर समेट दिया।

मेसी अब भी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, सालाना कमाई 170 करोड़

फुटबॉल के महानायक लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी

लॉस एंजिल्स। लियोनेल मेसी का जादू मैदान से लेकर बैंक खाते तक जारी है। इंटर मियामी के कप्तान और आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता मेसी ने एक बार फिर साबित किया कि उम्र केवल एक संख्या है। एमएलएस द्वारा जारी ताज़ा वेतन सूची में वे लीग के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। वहीं, दक्षिण कोरिया के सुपरस्टार सोन ह्युंग-मिन ने दूसरे स्थान पर जगह बनाई है।

मेसी की सालाना कमाई 20.4 मिलियन डॉलर

इंटर मियामी से मेसी को सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) का गारंटीशुदा वेतन मिलता है। इसमें उनके विज्ञापन अनुबंधों और निजी ब्रांड डील्स को शामिल नहीं किया गया है। 2023 में मियामी से जुड़े अर्जेंटीनी दिग्गज का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे तीन साल के नए करार पर हस्ताक्षर करेंगे। 38 वर्षीय मेसी इस सीज़न में 28 मैचों में 29 गोल दागकर रेगुलर सीज़न के टॉप स्कोरर रहे हैं और "मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर" पुरस्कार के भी प्रबल दावेदार हैं। दक्षिण कोरिया के सोन ह्युंग-मिन लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) से 11.1 मिलियन डॉलर सालाना कमा रहे हैं। पूर्व टोटनहम कप्तान सोन इस साल अगस्त में 26 मिलियन डॉलर के सबसे महंगे ट्रांसफर के जरिए एमएलएस में शामिल हुए थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए एलएएफसी को प्लेऑफ़ में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर मेसी के टीममेट सर्जियो बुस्केट्स (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीज़न के अंत में संन्यास लेने वाले हैं। वहीं, पराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) और मेक्सिको के हिर्विंग "चक्की" लोज़ानो (7.6 मिलियन डॉलर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

पसली की चोट से उबर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर

- सिडनी वनडे में लगी गंभीर चोट के बाद ICU से आए बाहर
- श्रेयस अय्यर बोले, "हर दिन महसूस कर रहा हूं बेहतर"

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने अपनी सेहत पर राहतभरा अपडेट देते हुए बताया कि वे तेजी से ठीक हो रहे हैं और हर गुजरते दिन के साथ बेहतर महसूस कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा संदेश में अय्यर ने लिखा— "मुझे मिली शुभकामनाओं और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।" गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान डाइव लगाते समय अय्यर की पसलियों में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें ICU में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उनकी हालत स्थिर होने पर ICU से बाहर कर दिया गया। टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी बताया कि अय्यर अब बात करने की स्थिति में हैं और पूरी तरह से स्वस्थ होने की दिशा में हैं।

17 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की गेंद लगने से मौत

नेट प्रैक्टिस के दौरान हादसा, क्लब ने कहा— 'खो दिया एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी'

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बार फिर दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर दिया है। 17 वर्षीय युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की नेट प्रैक्टिस के दौरान गेंद लगने से मौत हो गई। ऑस्टिन मंगलवार को मेलबर्न में अपनी टीम के टी-20 मैच से पहले ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन का सामना कर रहे थे, तभी एक तेज गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। गंभीर रूप से घायल ऑस्टिन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। बुधवार को उनकी मौत की पुष्टि हुई। उनके क्लब फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने गहरे दुख के साथ कहा, "हम बेन के निधन से पूरी तरह टूट चुके हैं। उन्होंने अपने जुनून और व्यवहार से सभी के दिल जीत लिए थे।" बेन को क्लब ने "एक उभरते सितारे, प्रेरक नेता और बेहतरीन इंसान" के रूप में याद किया। वे बल्लेबाजी और गेंदबाजी—दोनों में ही प्रतिभाशाली थे। यह घटना क्रिकेट जगत को 2014 में फिलिप ह्यूजेस की दर्दनाक मौत की याद दिलाती है, जब घरेलू मैच के दौरान उन्हें गेंद गर्दन पर लगी थी। उस हादसे के बाद क्रिकेट में सुरक्षा उपकरणों और कन्कशन प्रोटोकॉल को लेकर कई कड़े नियम लागू किए गए थे।

बॉलीवुड

मानव कौल की 'बारामूला' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेता मानव कौल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बारामूला' अगले महीने दर्शकों के बीच आने को तैयार है। 30 अक्टूबर को इसका ट्रेलर जारी किया गया, जिसने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। 2 मिनट 13 सेकंड के इस वीडियो में थ्रिल, सस्पेंस और रहस्य का ऐसा ताना-बाना देखने को मिलता है कि रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जम्भाले ने किया है। इसका निर्माण आदित्य के साथ लोकेश धर और ज्योति देशपांडे ने किया है।

कश्मीर की धरती पर बुनती है डर और साजिश की कहानी

'बारामूला' की कहानी जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर संवेदनशील क्षेत्र बारामूला पर आधारित है। लेकिन इस बार कहानी वादियों की शांति नहीं, बल्कि उस अंधेरे की है, जिसमें एक के बाद एक बच्चे रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक जादूगर की आवाज से होती है, जो कहता है कि वह एक बच्चे को गायब कर सकता है। इसके बाद घटनाओं की ऐसी झड़ी लगती है कि डर और बेचैनी दोनों महसूस होती हैं। फिल्म में मानव कौल एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ डीएसपी सैय्यद रिदवान की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें इन बच्चों के लगातार गायब होने के मामले की सच्चाई उजागर करने की जिम्मेदारी मिलती है। लेकिन जैसे-जैसे वह रहस्य के करीब पहुंचते हैं, डर, राजनीति और चालबाजी का नया चेहरा सामने आता है। ट्रेलर में कई ऐसे दृश्य हैं जो दर्शकों को झकझोर देते हैं, खाली गलियां, घबराए हुए लोग, और हर मोड़ पर डर का साया। बच्चे क्यों और कैसे गायब हो रहे हैं? इसके पीछे इंसानी दिमाग है या कुछ और? यही सवाल ट्रेलर खत्म होने तक दिमाग में छा जाता है। मानव कौल का गंभीर अभिनय और सस्पेंस भरा बैकग्राउंड म्यूजिक माहौल को और भयावह बनाता है। 'बारामूला' सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। कश्मीर की संवेदनशील पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म रहस्य और मनोवैज्ञानिक थ्रिलर के शौकीनों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं मानी जा रही। अब देखना यह है कि मानव कौल इस चुनौतीभरी भूमिका से दर्शकों का दिल कैसे जीतते हैं।

यश की 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट का ऐलान

साउथ सुपरस्टार यश एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। केजीएफ फ्रेंचाइज़ के बाद यश की यह सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है, जिसकी हर अपडेट फैंस के बीच बिजली की तरह फैल जाती है। फिल्म का निर्देशन जानी-मानी फिल्ममेकर गीतू मोहनदास ने किया है, जो अपनी मजबूत विजुअल स्टोरीटेलिंग और भावनात्मक गहराई के लिए मशहूर हैं। फिल्म में यश के साथ बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्री कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि नयनतारा, हुमा कुरैशी और अक्षय ओबेरॉय अपने दमदार किरदारों से कहानी को नई परतें देने वाले हैं। पहले जारी किए गए पोस्टर ने ही यश के नए अवतार की झलक दिखाकर दर्शकों में रोमांच भर दिया था, एक ऐसा किरदार जो रॉ, इंटेंस और रहस्य से लिपटा हुआ है। रिलीज़ डेट पर छिड़ी थी अफवाहेंपिछले कुछ हफ्तों से 'टॉक्सिक' की रिलीज़ डेट को लेकर फिल्मी गलियारों में हलचल मची हुई थी। कहा जा रहा था कि मेकर्स फिल्म की रिलीज़ आगे बढ़ा सकते हैं। हालांकि, अब इस पर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने विराम लगा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, अफवाहों पर अब ब्रेक लगाएं... यश की 'टॉक्सिक' की रिलीज़ डेट में कोई बदलाव नहीं होगा। फिल्म तय समय पर 19 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी। यह रिलीज़ गुड़ीपड़वा और ईद की छुट्टियों के दौरान होगी, यानी दर्शकों के लिए डबल सेलिब्रेशन। बड़े पैमाने पर रिलीज़ की तैयारीफिल्म की शूटिंग का अंतिम चरण पूरा कर लिया गया है। जनवरी 2026 से फिल्म का भव्य प्रमोशन कैंपेन शुरू किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि 'टॉक्सिक' सिर्फ भारतीय भाषाओं में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी डब की जा रही है, जिससे इसे एक वैश्विक रिलीज़ का दर्जा मिल जाएगा।

'महाकाली' में भूमि शेट्टी का जबरदस्त अवतार आया सामने

फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा, जिन्होंने 'हनुमान' जैसी सुपरहिट फिल्म से भारतीय सिनेमा में सुपरहीरो यूनिवर्स की नई शुरुआत की थी, अब अपनी अगली महत्वाकांक्षी फिल्म 'महाकाली' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म न केवल उनके सिनेमैटिक यूनिवर्स का अगला अध्याय है, बल्कि इसमें भारत की पहली महिला सुपरहीरो को पेश किया जा रहा है। कुछ समय पहले ही फिल्म से अक्षय खन्ना का पहला लुक जारी किया गया था, जिसमें वे दैत्य गुरु शुक्राचार्य के किरदार में नजर आए थे। अक्षय का यह इंटेंस और रहस्यमयी लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। अब निर्देशक प्रशांत वर्मा और निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर मुख्य किरदार का खुलासा कर दिया है। महाकाली के रूप में भूमि शेट्टी का परिचयनिर्माताओं ने अभिनेत्री भूमि शेट्टी को भारत की पहली महिला सुपरहीरो के रूप में पेश किया है। पोस्टर में भूमि का अवतार बेहद शक्तिशाली और आकर्षक दिख रहा है, उनकी आंखों में शक्ति और प्रतिशोध की झलक है, जो 'महाकाली' के नाम को सार्थक बनाती है। 'महाकाली' का निर्माण आरकेडी स्टूडियोज, आरके दुग्गल, और रिवाज दुग्गल द्वारा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का पैमाना बेहद बड़ा रखा गया है और इसमें आधुनिक तकनीक व भारतीय पौराणिकता का संगम देखने को मिलेगा।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' होगा बंद

एकता कपूर का लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' फिलहाल दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता बटोर रहा है। टीआरपी चार्ट में यह शो 'अनुपमा' के बाद दूसरे नंबर पर बना हुआ है। लंबे समय बाद स्मृति ईरानी की छोटे पर्दे पर वापसी ने दर्शकों को खासा खुश किया हैं। हालांकि अब खबरें आ रही हैं कि यह शो अपने तय समय से पहले ही ऑफ-एयर हो सकता है। हितेन तेजवानी ने दी सफाईशो में करण वीरानी का किरदार निभा रहे अभिनेता हितेन तेजवानी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि शो बंद हो रहा है या नहीं, क्योंकि मैं नियमित तौर पर शूटिंग नहीं कर रहा हूं। अगर मैं ज्यादा समय सेट पर होता, तो शायद मुझे इस बारे में कुछ अपडेट मिलते। हितेन ने आगे बताया, जब हमें इस प्रोजेक्ट के लिए बुलाया गया था, तो यह साफ कहा गया था कि यह पहले की तरह लंबा शो नहीं होगा। इसे एक लिमिटेड सीरीज के रूप में बनाया गया है। अब चैनल या प्रोडक्शन टीम क्या फैसला लेती है, यह मुझे नहीं पता।

पीएम ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से 25 ई-बसों को दिखाई हरी झंडी

- अब एकता नगर बनेगा देश का पहला "स्मार्ट ईको-टूरिज्म मॉडल"
- पर्यटकों को मिलेगी मुफ्त और प्रदूषणमुक्त यात्रा की सुविधा

एजेंसी । गांधीनगर

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से हरित भारत की नई पहल का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को 30 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 25 नई ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनके साथ अब एकता नगर में कुल 55 ई-बसें पर्यटकों को मुफ्त, स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन सेवा प्रदान करेंगी।

आधुनिक तकनीक से लैस हरित बसें

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अथॉरिटी की ओर से बताया गया कि ये 9 मीटर लंबी एसी मिनी ई-बसें एक बार चार्ज होने पर 180 किलोमीटर तक चल सकती हैं। इनमें दिव्यांगजनों के लिए ऑटो लिफ्टिंग सिस्टम, महिलाओं के लिए चार गुलाबी सीटें, और ऊर्जा-बचत तकनीक से लैस वातानुकूलन प्रणाली लगाई गई है।

एकता नगर बनेगा देश की आदर्श ई-सिटी"

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा, एकता नगर केवल पर्यटन का केंद्र नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास का जीवंत उदाहरण है। ई-बसों के शामिल होने से यहां की हवा और ध्वनि दोनों शुद्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल "ग्रीन ट्रांसपोर्ट, क्लीन टूरिज्म और न्यू इंडिया" की दिशा में देश का अगला बड़ा कदम है।

पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन की दिशा में ऐतिहासिक कदम

- प्रधानमंत्री के 'भारत की पहली ई-सिटी' के विजन के तहत एकता नगर में चरणबद्ध रूप से ई-कार, ई-रिक्शा और ई-बसें शुरू की गई हैं।
- वर्ष 2021 में विश्व पर्यावरण दिवस पर मोदी ने इस पहल की घोषणा की थी। तब से एकता नगर तेजी से एक हरित, स्मार्ट और आत्मनिर्भर पर्यटन मॉडल के रूप में उभर रहा है।
- ग्रीन एनर्जी + स्मार्ट टूरिज्म का संगम
- नई ई-बसों के शामिल होने से एकता नगर में पर्यटक अब सुविधाजनक, निःशुल्क और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा का आनंद ले सकेंगे।
- प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एकता नगर हरित ऊर्जा, स्मार्ट अवसंरचना और स्वच्छ पर्यटन का जीवंत प्रतीक बनता जा रहा है —
- जहां प्रौद्योगिकी और प्रकृति का अनूठा संगम देश के लिए नया मानक स्थापित कर रहा है।

अमेरिका-चीन शिखर वार्ता

11 साल बाद दक्षिण कोरिया पहुंचे शी जिनपिंग

- शी बोले- टकराव स्वाभाविक, ट्रंप ने सराहा- 'आप महान नेता'

एजेंसी । बुहान

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं- अमेरिका और चीन -के बीच जारी तनाव के बीच दक्षिण कोरिया के बुहान शहर में बहुप्रतीक्षित अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन की शुरुआत हो गई है। बैठक की शुरुआत में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों के बीच "हमेशा एकमत रहना संभव नहीं", और "कभी-कभी टकराव होना स्वाभाविक है।" इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शी की तारीफ करते हुए कहा, "आप एक महान नेता हैं।"

फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब व्यापारिक टैरिफ की समयसीमा नजदीक है और दोनों देशों के बीच आर्थिक तनाव चरम पर है। यह बैठक गिमहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर के नारायमारू स्वागत कक्ष में शुरू हुई, जहां शी जिनपिंग सुबह 10:30 बजे और ट्रंप 10:20 बजे पहुंचे। यह जिनपिंग की 11 साल बाद पहली दक्षिण कोरिया यात्रा है।

व्हाइट हाउस और चीनी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत लगभग दो घंटे चलेगी। इसके बाद ट्रंप दोपहर 12:55 बजे वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि जून 2019 के बाद यह दोनों नेताओं की पहली आमने-सामने की मुलाकात है। शी जिनपिंग अपनी तीन दिवसीय दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान एपेक शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को लेंगे चीफ जस्टिस पद की शपथ

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत उच्चतम न्यायालय के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगले मुख्य न्यायाधीश के रुप में नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। इस आशय की गुरुवार को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को उच्चतम न्यायालय के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। इस पद पर उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत हरियाणा से पहले चीफ जस्टिस होंगे। मौजूदा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। न्यायमूर्ति गवई ने अगले मुख्य न्यायाधीश के लिए न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की थी।

कुशीनगर की धरती से लहराया अंतरिक्ष नवाचार का परचम

देवरिया। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में नारायणी नदी के तट पर गुरुवार को "IN-SPACe मॉडल रॉकेट्री और कैनसैट इंडिया स्टूडेंट कम्पटीशन 2024-25" का सफल समापन हुआ। यह आयोजन भारत में छात्र-नेतृत्व वाले अंतरिक्ष नवाचार आंदोलन का एक ऐतिहासिक पड़ाव बन गया, जहां देशभर के युवाओं ने अपने सपनों को अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक उड़ान दी। चार दिवसीय राष्ट्रीय फिनाले में देश के 67 छात्र दलों — 31 मॉडल रॉकेट्री और 36 कैनसैट श्रेणी — ने हिस्सा लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कुल 37 सफल प्रक्षेपण किए गए, जिनमें 13 मॉडल रॉकेट्री और 24 कैनसैट लॉन्च शामिल थे। प्रत्येक टीम ने डिज़ाइन, रिकवरी और टेलीमेट्री संचालन में शानदार तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता देवरिया सांसद शशांक मणि की पहल पर और IN-SPACe, इसरो (ISRO) और एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार और कुशीनगर जिला प्रशासन का सहयोग रहा। मुख्य अतिथि के रूप में IN-SPACe के चेयरमैन डॉ. पवन गोयनका, इस्ट्रैक निदेशक ए.के. अनिल कुमार, और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

पाकिस्तानी ड्रोन हमले में नौ सैलानी घायल

- पाक सेना ने कहा- आतंकियों पर की गई थी कार्रवाई
- सवाल बढ़ने पर मुख्यमंत्री ने भी आगे आकर दी सफाई

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में आजादी समर्थक आंदोलन के बीच क्वेटा के चल्टन पहाड़ी इलाके में रविवार को हुए एक ड्रोन हमले से दहशत फैल गई। 'द बलोचिस्तान पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला उस वक्त हुआ जब प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हज़ारगंज (चल्टन) में बड़ी संख्या में लोग पिकनिक मना रहे थे। हमले में नौ पर्यटक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस घटना के बाद पाकिस्तानी सेना और बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सफाई दी कि हमला पर्यटकों पर नहीं, बल्कि आतंकवादियों के ठिकानों पर किया गया था। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हमले का शिकार निर्दोष नागरिक हुए हैं, जिससे सरकारी बयान पर सवाल खड़े हो गए हैं। घायलों में जहांज़ेब मोहम्मद शेही, मोहम्मद इमरान समलानी, मकबूल अहमद, जाहिद, मंज़ूर अहमद दौलत खान, अरबाब, रफीक लहरी और वाजिद अली शामिल हैं।

आतंकियों से संबंध के आरोप में दो शिक्षक बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर नकेल कसने के तहत उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आतंकवादियों से संबंध होने के आरोप में दो सरकारी शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया है।

अधिकारियों के अनुसार, बर्खास्त किए गए शिक्षकों की पहचान गुलाम हुसैन और माजिद इकबाल डार के रूप में हुई है। दोनों पर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का संदेह था, जो राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा मानी गईं।

उपराज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(c) के तहत यह कार्रवाई की है, जिसके तहत राज्य की सुरक्षा के हित में जांच किए बिना भी सरकारी कर्मचारी को सेवा से हटाया जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद से जुड़े किसी भी व्यक्ति को सरकारी तंत्र का हिस्सा बने रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बिहार को मजदूर नहीं, निर्माता बनाए: राहुल गांधी

- नालंदा की जनसभा में बोले राहुल- अब बदलाव का वक्त
- कांग्रेस के युवराज का नीतीश सरकार पर जोरदार हमला

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान नालंदा में गुरुवार को आयोजित विशाल जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य की सत्ताधारी जदयू-भाजपा गठबंधन सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा दुनियाभर में पुल, सड़क और इमारतें बनाते हैं, तो अपने राज्य को क्यों नहीं संवार सकते? पिछले 20 वर्षों से सत्ता में रही भाजपा-जदयू सरकार ने युवाओं से हर अवसर छीन लिया और उन्हें "मजदूर" बना दिया।

नीतीश चैनल बदल देते हैं

राहुल गांधी ने कहा कि आज बिहार की पहचान शिक्षा और संस्कृति नहीं, बल्कि "पेपर लीक" से जुड़ गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा, "मोदी बटन दबाते हैं, नीतीश चैनल बदल देते हैं।"

वोट की रक्षा करना जरूरी

गांधी ने कहा कि भाजपा-आरएसएस संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए जनता को वोट की रक्षा करनी होगी। उन्होंने वादा किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर बिहार को एक बार फिर शिक्षा और रोजगार का केंद्र बनाया जाएगा।

आज वाराणसी में उपराष्ट्रपति करेंगे सतराम भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेंगे, जहां वे सिगरा स्थित नव-निर्मित सतराम भवन का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल रहेंगे। उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, काशी नट्टुकोट्टई नगर सतराम प्रबंध समिति ने 60 करोड़ रुपये की लागत से 10 मंजिला यह सतराम भवन तैयार कराया है। भवन में 140 कमरे बनाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को आवास और सुविधा दोनों मिल सके। यह समिति द्वारा वाराणसी में निर्मित दूसरा सतराम है। इस पहल का उद्देश्य न केवल श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाना है, बल्कि काशी और तमिलनाडु के बीच प्राचीन सांस्कृतिक बंधन को और सशक्त करना भी है। यह "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को मूर्त रूप देता है।

बर्फीले तूफान में फंसे 2000 विदेशी पर्यटकों की बची जान

- नेपाल के पहाड़ों में भीषण बर्फबारी के बाद सेना और स्थानीय लोगों ने चलाया रेस्क्यू आपरेशन
- मनांग, मुस्तांग और गोरखा के दुर्गम इलाकों में बरसात और बर्फबारी से बिगड़े हालात

काठमांडू। नेपाल के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पिछले दो दिनों से जारी लगातार बारिश और भीषण बर्फबारी ने ट्रेकिंग सीजन को संकट में डाल दिया। मनांग, मुस्तांग, म्याग्दी और गोरखा जिलों की ऊंची पहाड़ियों में फंसे करीब दो हजार विदेशी और 350 घरेलू पर्यटकों को रेस्क्यू टीमों ने सुरक्षित निकाल लिया है।

नेपाल के गृह मंत्रालय की आपदा प्रबंधन महाशाखा के प्रमुख गोविंद रिजाल ने बताया कि बचाव दल अब भी उन पर्यटकों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं जो गहरी बर्फ में फंसे हैं। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक बचाव अभियान मनांग जिले में चलाया गया, जहां तीलिचो, खांगसर, पिसांग और अपर मनांग के इलाकों से एक-एक कर पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

बचाव किए गए पर्यटकों को अब चामे और बेसिसहर जैसे सुरक्षित शिविरों में ले जाया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में नेपाल सेना की न्यू भैरवी बटालियन, सशस्त्र प्रहरी बल और स्थानीय निवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बर्फबारी से सड़कें अवरुद्ध होने के बावजूद, राहत टीमों ने 15 जीप और दो बसों की मदद से यह मिशन पूरा किया।

कवर्धा में संदिग्ध टैबलेट की रोकी गई सप्लाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) राज्य में मरीजों तक केवल मानक गुणवत्ता वाली दवाएं पहुंचे, इसे लेकर सतर्कता के साथ काम कर रहा है। इसी कड़ी में कवर्धा स्थित राज्य औषधि भंडार में नियमित जांच के दौरान ओफ्लैक्सासीन + ओर्निडजोल टैबलेट (ड्रग कोड - SP1978) के एक बैच में शिकायतें सामने आईं।

जानकारी मिलते ही सीजीएमएससी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस बैच की सप्लाई रोक दी। सभी जिला औषधि भंडारों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने स्टॉक की तत्काल जांच कर रिपोर्ट भेजें। साथ ही संदिग्ध टैबलेट्स को क्वारंटाइन में रखकर री-टेस्टिंग (पुनः परीक्षण) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

संस्था ने साफ कहा है कि जब तक जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक इन दवाओं की किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में आपूर्ति नहीं की जाएगी। सीजीएमएससी के अनुसार, "हमारा प्राथमिक उद्देश्य मरीजों को सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए राज्यभर में लगातार सैंपलिंग, जांच और निगरानी की जा रही है।

दो मोर्चों पर घिरा पाकिस्तान, बलोचिस्तान में 25 विद्रोही ढेर

- क्वेटा और केच में जबरदस्त मुठभेड़
- खैबर पख्तूनख्वा में कैप्टन समेत छह सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में एक बार फिर हिंसा की लपटें भड़क उठीं। बलोचिस्तान में विद्रोहियों के खिलाफ सेना के भीषण अभियान में 25 लड़ाके मारे गए, जबकि खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में कैप्टन समेत छह पाकिस्तानी जवानों की मौत हो गई। पाकिस्तान सेना की जनसंपर्क शाखा आईएसपीआर ने दोनों अभियानों की पुष्टि की है।

आईएसपीआर के अनुसार, बलोचिस्तान में चलाए गए दो अभियानों में 14 आतंकवादी क्वेटा जिले के चिल्टन पर्वत श्रृंखला में, जबकि चार केच जिले के बुलेदा इलाके में मारे गए। सभी का संबंध 'फितना अल-हिंदुस्तान' नामक विद्रोही संगठन से बताया जा रहा है।

डोगर में खुफिया ऑपरेशन

खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले के डोगर में सेना ने एक खुफिया अभियान चलाया, जिसमें आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान कैप्टन नौमान सलीम (24) समेत छह सैनिक मारे गए। जवाबी कार्रवाई में सात आतंकवादी ढेर हो गए। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार और सेना ने मई 2025 में बलोच और टीटीपी विद्रोही गुटों को क्रमशः 'फितना अल-हिंदुस्तान' और 'फितना अल-ख्वारिज' नाम देकर उन्हें भारत-समर्थित बताने की नई रणनीति अपनाई है।

ट्रंप की हरी झंडी, दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी

सियोल। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान एक ऐतिहासिक घोषणा की है। ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल प्लेटफॉर्म 'सोशल ट्रुथ' पर लिखा कि दक्षिण कोरिया को अब परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। यह अत्याधुनिक पनडुब्बी अमेरिका के फिलाडेल्फिया स्थित शिपयार्ड में निर्मित की जाएगी।

ट्रंप ने इस घोषणा के साथ कहा कि अमेरिका शीघ्र ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण कार्यक्रम शुरू करेगा। यह फैसला उस समय आया है जब दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में 350 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है।

द कोरिया हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को ट्रंप के साथ हुई शिखर वार्ता में पनडुब्बियों के लिए परमाणु ईंधन के पुनर्प्रसंस्करण की अनुमति मांगी थी, जिस पर ट्रंप ने सहमति जताते हुए दोनों देशों के बीच संयुक्त परामर्श प्रक्रिया का प्रस्ताव दिया। यह समझौता न केवल एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देगा, बल्कि दक्षिण कोरिया के लिए परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ा कदम साबित होगा। फिलहाल ट्रंप एपेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्योंगजू (उत्तरी ग्योंगसांग) पहुंचे हैं।

मोंथा' ने आंध्रा को दी गहरी चोट

5,265 करोड़ का नुकसान

- प्रशासन की सतर्कता से बचाई गईं हजारों जानें, सीएम ने की समीक्षा बैठक
- मुख्यमंत्री नायडू बोले— समय रहते कदम उठाए, नहीं तो तबाही और बड़ी होती

अमरावती। चक्रवात 'मोंथा' ने आंध्र प्रदेश को गहरी आर्थिक चोट पहुंचाई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार राज्य को 5,265 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने राहत की बात कही कि समय पर सतर्कता और बेहतर प्रबंधन के कारण किसी की जान नहीं गई।

पवन कल्याण ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कृष्णा जिले के अवनीगड्डा निर्वाचन क्षेत्र के कोडुर मंडल में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया। उन्होंने चक्रवात से फसल क्षति की फोटो प्रदर्शनी देखी और कहा कि शुरुआती उपायों से नुकसान को काफी हद तक सीमित किया गया। पवन कल्याण ने मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता और तत्परता की सराहना करते हुए कहा, लोगों को पहले से सतर्क करने के लिए संदेश भेजे गए, यही कारण है कि जान-माल की बड़ी हानि नहीं हुई।

अब तीन घंटे में लौटती है बिजली

उन्होंने बताया कि अब राज्य सरकार हर परिवार और हर घर को जियो-टैग करने में सक्षम है, जिससे राहत कार्यों की गति और पारदर्शिता बनी रही। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले बिजली जाने के बाद 10 घंटे तक बहाल नहीं होती थी, अब तीन घंटे के भीतर लौट आती है। पेड़ गिरने के बावजूद टीमें तुरंत पहुंचीं और रास्ते साफ किए गए। यह हमारी तैयारी का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार सिंचाई विभाग को अपेक्षाकृत कम क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन समय रहते उठाए गए कदम नुकसान को काफी कम कर सकते हैं। प्रभावित परिवारों को मुफ्त चावल दिया जा रहा है। पुनर्वास केंद्रों में सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं और घर लौटने वाले प्रत्येक परिवार को 3,000 रुपये की सहायता राशि दी जा रही है।